पौष कृष्ण - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 141 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 16-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 असम के एक सांसद का अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से संबंध : हिमंत

6 बांग्लादेश के कट्टरपंथियों को सबक सिखाकर विजय दिवस मनाएं

7 फिल्म 'वनवास' में समाज के लिए अहम संदेश : नाना पाटेकर

फर्स्ट टेक

लोकसभा में वित्तीय कामकाज के बाद पेश किया जाएगा 'एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक'

नई दिल्ली/भाषा। सरकार लोकसभा में वित्तीय अनुदान संबंधी कामकाज पूरा करने के बाद 'एक राष्ट्र एक चुनाव' से संबंधित विधेयकों को पेश करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे पहले, दो विधेयक – संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक – सोमवार को लोकसभा में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध थे। सरकारी सूत्रों ने बताया कि सोमवार के लिए सूचीबद्ध अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच को सदन द्वारा पारित किए जाने के बाद ये विधेयक इस सप्ताह बाद में पेश किए जा सकते हैं। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी संशोधित कार्यसूची में सोमवार के एजेंडे में ये दोनों विधेयक शामिल नहीं हैं।

'पुष्पा 2: द रूल' ने 10 दिन में 1,292 करोड़ रुपए कमाए

नई दिल्ली/भाषा। अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' ने रिलीज के 10 दिनों में 1,292 करोड़ रुपए की कमाई की है। फिल्म निर्माता ने रविवार को यह जानकारी दी। सुकुमार द्वारा निर्देशित फिल्म 2021 में आई 'पुष्पा: द राइज' की सीक्वेल है। फिल्म पांच दिसंबर को हिंदी, तमिल, कन्नड़, बांग्ला और मलयालम भाषा में रिलीज हुई। फिल्म निर्माता कंपनी 'मैत्री मूवी मेकर्स' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सबसे बड़ी भारतीय फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है। 'पुष्पा–2 द रूल' ने 10 दिन में दुनियाभर में 1,292 करोड़ रुपए कमाए हैं।

महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद का विस्तार, 39 मंत्रियों ने शपथ ली

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र में भाजपा नीत 'महायुति' गठबंधन मंत्रिपरिषद का रविवार को नागपुर में विस्तार किया गया, जिसमें 39 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद में सदस्यों की संख्या 42 हो गई है। मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा को 19 मंत्री पद मिले, एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को 11 और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 9 मंत्री पद मिले। तैंतीस विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि छह ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल पी सी राधाकृष्णन ने 16 से 21 दिसंबर तक नागपुर में आयोजित होने वाले राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की पूर्व संध्या पर एक समारोह में नए मंत्रियों को शपथ दिलाई।

16-12-2024 सूर्यास्त 5:45 बजे | 17-12-2024 सूर्योदय 6:24 बजे

BSE	NSE
82,133.12 (+843.16)	24,768.30 (+219.60)

सोना	चांदी
7,981 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	98,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कद की भद

है लोकतंत्र में नहीं खुदा,
कोई भी मंत्री या सांसद।
सब संविधान के हैं अधीन,
सबको है खबर सभी की हद।
करते विरोध जो जायज का,
कुछ वोटों का पा करके मद।
विस्मृत करके वे अपना कद,
उड़वाते हैं खुद की खुद भद।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों को दी चेतावनी

नक्सली आत्मसमर्पण करें या कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगदलपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नक्सलियों से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि ऐसा नहीं करने पर उन्हें सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का पुनर्वास सरकार की जिम्मेदारी है।

शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक खेल आयोजन 'बस्तर ओलंपिक' को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि देश मार्च 2026 तक माओवादियों से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, मैं नक्सलियों से अपील करता हूं कि कृपया आगे आएं। हथियार छोड़ दें, आत्मसमर्पण करें और मुख्यधारा में शामिल हों। आपका पुनर्वास हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि माओवादी आत्मसमर्पण की अपील नहीं मानते हैं, तो सुरक्षा बल उन्हें खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ पुलिस 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति देश में सर्वोत्तम है। उन्होंने कहा, यदि आप आत्मसमर्पण कर देंगे और मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे, तो आप छत्तीसगढ़ और भारत के विकास में योगदान देंगे।

शाह ने आरोप लगाया कि एक साल पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सत्ता में आने से पहले जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता में थी, तो माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई धीमी थी। उन्होंने दावा किया, लेकिन छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनने के बाद चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आई। इसकी वजह से गत एक साल में 287 नक्सली मारे गए, 992 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 836 अन्य ने आत्मसमर्पण किया।

कानूनों का नाम हिंदी और संस्कृत में रखना हिंदी थोपने जैसा : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ केंद्र सरकार को अपने द्वारा बनाए गए कानूनों के लिए अंग्रेजी नाम सुनिश्चित करना चाहिए।

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा कानूनों का नाम हिंदी और संस्कृत में रखना अप्रत्यक्ष रूप से हिंदी थोपने जैसा है। पार्टी ने केंद्र सरकार से कानूनों का नाम अंग्रेजी में रखने का आग्रह किया।

यहां अपनी कार्यकारी समिति और आम परिषद की बैठक में पार्टी ने एक प्रस्ताव में कहा कि हिंदी संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 22 भाषाओं में से एक है। तमिलनाडु में तमिल और अंग्रेजी का दो भाषा फॉर्मूला अभी भी प्रचलन में है।

प्रस्ताव में कहा गया, इन परिस्थितियों में केंद्र सरकार द्वारा कानूनों का नाम हिंदी और संस्कृत में रखने को अप्रत्यक्ष रूप से हिंदी थोपना ही माना जा सकता है। यह बहुत निंदनीय है कि केंद्र ने तीन आपराधिक कानूनों के नाम बदल दिए, जो पहले से ही अंग्रेजी में थे।

अन्नाद्रमुक ने कहा कि इसके अलावा इस तरह की प्रवृत्ति जारी है और केंद्र सरकार को अपने द्वारा बनाए गए कानूनों के लिए अंग्रेजी नाम सुनिश्चित करना चाहिए। अन्नाद्रमुक ने कहा कि पार्टी ने कुल 16 प्रस्ताव पारित किए जिनमें से एक में राज्य सरकार की निंदा की गई कि उसने 20 साल से अधिक समय से जेल में बंद मुस्लिम कैदियों को रिहा करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। द्रमुक ने उनकी रिहाई का वादा किया था।

'हिंदी' है भारत की आत्मा और पहचान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इटावा/एजेन्सी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि हिन्दी भाषा भारत की आत्मा और पहचान है।

इस्लामिया इंटर कॉलेज में इटावा हिंदी सेवा निधि के 32 वें.सारस्वत सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि श्री बिरला ने रविवार को कहा कि देश या दुनिया के अंदर भाषा ही पहचान होती है। आज भी जब हम दुनिया के अंदर शासन पद्धतियों को देखते हैं तो उस समय भारत की एकता को रखने में भाषा का बड़ा महत्व है। इस अवसर पर उन्होने देश के जाने माने कवि डॉ सुनील जोगी समेत 18 अन्य हिंदी सेवियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जब संविधान का निर्माण हुआ था। उस समय देश की अलग– अलग भाषा और बोली के लोग थे। उन सबने माना कि भारत में भाषाएं एकता का प्रतीक हैं। हिंदी भाषा सब को जोड़ने का काम करती है। इस लिए इसे भारत की आत्मा मानते हैं।

बिरला ने कहा कि अदालत में पहले सिर्फ अंग्रेजी में काम होता था, लेकिन अब 22 भाषाओं में काम हो रहा है। संसद में भी हम कई भाषाओं में काम कर रहे हैं। हमने हिंदी के माध्यम से मानवीय संवादनों को व्यक्त किया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आजादी की लड़ाई लड़ने में भाषा का और साहित्यकारों का बहुत बड़ा योगदान था। आज टेक्नोलॉजी का ज़माना है। इससे भाषा का तुरंत अदान प्रदान होता है। भारत में ऐसे लोग हुए जिनके कारण हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने का काम किया। ये समारोह इस लिए किए जाते हैं कि आने वाली पीढ़ी भाषाओं पर गर्व करें। नहीं तो आने वाली पीढ़ी गुलामी की मानसिकता बाली भाषाओं पर गर्व करेगी।

उन्होने कहा कि ये चिंता का विषय है। हम दुनिया के केंद्रों में जब द्विपक्षीय वार्ता होती है तो हमने देखा ही कि वो अपनी भाषा में बात करते है जबकि उन्हें अंग्रेजी समेत कई भाषाएं आती हैं। हमारे प्रधानमंत्री हर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी का प्रयोग करते हैं। भारतीय भाषा की विविधता बहुत बड़ी है।

तबला वादक जाकिर हुसैन सैन फ्रांसिस्को में आईसीयू में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तबला वादक जाकिर हुसैन को हृदय संबंधी समस्याओं के बाद अमेरिकी शहर सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। हुसैन के मित्र और बांसुरी वादक राकेश चौरसिया ने रविवार को यह जानकारी दी। हुसैन की बहन ने उनके निधन की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि तबला वादक उपचाराधीन हैं।

इससे पहले, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अपने 'एक्स' हैंडल पर हुसैन के निधन की सूचना साझा की थी, लेकिन बाद में इस पोस्ट को हटा दिया।

हुसैन की प्रबंधक निर्मला बचानी ने बताया कि अमेरिका में रह रहे 73 वर्षीय संगीतकार को रक्तचाप की समस्या थी।

बचानी ने कहा, ''हुसैन हृदय संबंधी समस्या के कारण पिछले दो सप्ताह से सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में भर्ती हैं।''

चौरसिया ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''हुसैन अस्वस्थ हैं और फिलहाल आईसीयू में भर्ती हैं। हम सभी उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंतित हैं।''

हुसैन के निधन की खबरें आने के बीच उनकी प्रबंधन टीम ने 'पीटीआई–भाषा' से पुष्टि की कि तबला वादक का सैन फ्रांसिस्को के अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनका ''निधन नहीं हुआ है।''

हुसैन की बहन खुर्शीद ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि उनके भाई की हालत ''बहुत गंभीर'' है, लेकिन ''उनका उपचार जारी है।''

खुर्शीद ने कहा, ''मेरा भाई इस समय बहुत बीमार है। हम भारत और दुनिया भर में उनके सभी प्रशंसकों से उनके स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करने के लिए कह रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं मीडिया से अनुरोध करना चाहती हूं कि जाकिर हुसैन के निधन के बारे में गलत जानकारी पर ध्यान न दे। उनका उपचार जारी है। उनकी हालत बहुत गंभीर है, लेकिन वह अभी भी हमारे बीच हैं। इसलिए, मैं (मीडिया से) अनुरोध करूंगी कि वह यह लिखकर या कहकर अफवाह न फैलाए कि उनका (हुसैन) निधन हो गया है। मुझे फेसबुक पर यह सारी जानकारी देखकर बहुत बुरा लग रहा है। यह बहुत गलत है।''

महान तबला वादक अल्लाह रक्खा के सबसे बड़े बेटे जाकिर हुसैन ने अपने पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए भारत और दुनिया भर में एक अलग पहचान बनाई है।

मादक पदार्थ के साथ पाकिस्तानी ड्रोन जब्त

जम्मू/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास करीब आधा किलोग्राम उच्च श्रेणी का मादक पदार्थ ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को जब्त किया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन सीमा पार से भारत में घुसा था और शनिवार देर रात अरनिया सेक्टर में चिनाज सीमा चौकी क्षेत्र से इसे जब्त किया गया। बरामदगी की पुष्टि करते हुए बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि जवानों ने शनिवार रात आठ बजकर 10 मिनट पर पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया और मादक पदार्थ की तस्करी के प्रयास को नाकाम कर दिया। उन्होंने बताया कि ड्रोन से 495 ग्राम मादक पदार्थ भी जब्त किया गया।

जलमार्ग से माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए 'जलवाहक' प्रोत्साहन योजना शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्र सरकार ने अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से माल की आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए रविवार को 'जलवाहक' योजना शुरू की। यह योजना राष्ट्रीय जलमार्ग–1 (गंगा), 2 (ब्रह्मपुत्र) और 16 (बराक नदी) पर टिकाऊ और लागत प्रभावी परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

केंद्रीय बंदरगाह, पोत–परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने तीन मालवाहक जहाजों को हरी झंडी दिखाई और जहाजों की निर्धारित अनुसूचित सेवा का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य अंतर्देशीय जलमार्गों की व्यापार क्षमता को खोलने के साथ–साथ रसद लागत को कम करना और सड़क और रेल नेटवर्क पर भीड़भाड़ कम करना है।

इस योजना के तहत, जलमार्गों के माध्यम से 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक माल परिवहन करने वाले कार्गो मालिकों को परिचालन लागत पर 35 प्रतिशत तक की प्रतिपूर्ति मिलेगी।

यह योजना तीन वर्षों तक वैध रहेगी और इसे प्रमुख माल ढुलाई कंपनियों, माल ढुलाई प्रेषकों और व्यापार निकायों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को अनुकूलित करने के लिए तैयार किया गया है।

इस योजना को भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और भारतीय शिपिंग निगम की अनुषंगी कंपनी अंतर्देशीय और तटीय शिपिंग लिमिटेड (आईसीएसएल) द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया जाएगा।

निश्चित समय वाली नौकायन सेवा कोलकाता–पटना–वाराणसी और कोलकाता–पांडु (गुवाहाटी) मार्गों के बीच जहाजों को चलाएगी, जो कुशल और पर्यावरण के अनुकूल माल ढुलाई परिवहन के लिए जलमार्गों की तत्परता को प्रदर्शित करती है।

'भारत की संस्कृति का आधार वेदों में निहित'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत की संस्कृति का आधार वेदों में निहित है और उनमें ज्ञान का खजाना है जो आधुनिक युग की समस्याओं का समाधान खोजने में मददगार हो सकता है।

सिंह ने स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वेदों में कई गणितीय अवधारणाएं हैं, जो दर्शाती हैं कि वैदिक युग में गणित मौजूद था। उन्होंने कहा, ''यह स्पष्ट है कि जिसे हम भारतीय संस्कृति के रूप में जानते हैं, वह मूलतः वेदों द्वारा निर्धारित सामाजिक मानदंडों और सांस्कृतिक ढांचे तथा वेदों में वर्णित विज्ञान और गणित में निहित है।''

सिंह ने कहा, ''उदाहरण के लिए, वेदों में कई गणितीय अवधारणाएं हैं, जो दर्शाती हैं कि वैदिक युग में गणित एक विज्ञान के रूप में अस्तित्व में था।'' उन्होंने कहा, ''शुल्व सूत्र एक उदाहरण के रूप में कार्य करते हैं, जो पाइथागोरस प्रमेय के बारे में जानने से बहुत पहले ही दुनिया के सामने ज्यामितीय सिद्धांत प्रस्तुत करते हैं।''

रक्षा मंत्री ने आधुनिक भारत में दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए प्राचीन ज्ञान को समकालीन आवश्यकताओं, विशेषकर शिक्षा, विज्ञान और सामाजिक सद्भाव के क्षेत्रों के साथ मिश्रित करने के दार्शनिक के प्रयासों को याद किया।

यूक्रेन ने ड्रोन से रूस के चेचन्या पर किया हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन ने एक ड्रोन से रविवार को रूस के चेचन्या क्षेत्र में नेशनल गार्ड के एक परिसर पर हमला किया। रूस की ओर से किए जा रहे बड़े पैमाने पर हवाई हमले के बाद कीव ने जवाबी हमले जारी रखे हैं।

सोशल मीडिया पर उपलब्ध वीडियो फुटेज में एक ड्रोन को विस्फोट से पहले चेचन्या की राजधानी ग्रोज्नी के आसमान में देखा गया। इस हमले में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हमले का यह क्षेत्र यूक्रेन की सीमा से लगभग 800 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व में स्थित है। चेचन्या के नेता रमजान कादिरोव ने पुष्टि की कि ड्रोन ने अखमत ग्रोज्नी पुलिस बटालियन से संबंधित एक स्थान पर हमला किया था।

बदलते परिदृश्य में विदेश नीति में बदलाव की जरूरत : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बदलते परिदृश्य के बीच विदेश नीति में बदलाव की जरूरत को रेखांकित करते हुए रविवार को कहा कि ''विकसित भारत के लिए एक विदेश नीति'' होनी चाहिए।

'इंडियाज वर्ल्ड' पत्रिका के विमोचन के अवसर पर अपने संबोधन में जयशंकर ने यह भी कहा, ''जब हम विदेश नीति बदलने की बात करते हैं, अगर नेहरू के बाद की बात होती है, तो इसे राजनीतिक हमले के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।''

विदेश नीति विशेषज्ञ सी राजा मोहन पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के अध्यक्ष हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि ''चार बड़े कारक'' हैं जिनके कारण भारत के लोगों को वास्तव में खुद से पूछना चाहिए कि ''विदेश नीति में कौन से बदलाव आवश्यक हैं।'' उन्होंने कहा, ''संयोगवश, मुझे कल इसके बारे में बोलने का मौका मिला। कई वर्षों तक हमारे पास जो था, उसे किसी और ने बहुत ही सारगर्भित ढंग से 'नेहरू डेवलपमेंट मॉडल' के रूप में प्रस्तुत किया था। इस पुस्तक का विमोचन कल डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने किया।''

जयशंकर ने शनिवार को 'द नेहरू डेवलपमेंट मॉडल' पुस्तक के विमोचन के अवसर पर डिजिटल तरीके से संबोधन में कहा कि 'नेहरू विकास मॉडल' ने अनिवार्य रूप से 'नेहरू विदेश नीति' को जन्म दिया और ''हम विदेशों में इसे सही करना चाहते हैं'', ठीक उसी तरह जैसे घर में मॉडल के परिणामों को ''सुधारने'' के प्रयास किए जा रहे हैं।

सुची सेमीकॉन ने केंद्र के प्रोत्साहन के बिना शुरू किया चिप संयंत्र, 10 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। गुजरात स्थित सुची सेमीकॉन ने केंद्र के प्रोत्साहन के बिना सेमीकंडक्टर का उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी की योजना तीन साल में 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की है। सुची समूह के चेयरमैन और सुची सेमीकॉन के संस्थापक अशोक मेहता ने यह जानकारी दी है।

मेहता ने कहा कि हालांकि कंपनी ने एसपीईसीएस (इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों और सेमीकंडक्टर के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना) और भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत केंद्र के प्रोत्साहन के लिए आवेदन किया है, लेकिन वह प्रोत्साहन के लिए उत्पादन को रोकना नहीं चाहती है।

मेहता ने कहा, हमारे पास एक पूरी तरह तैयार कारोबारी योजना है। हमारी कारोबारी योजना मुख्य रूप से प्रोत्साहन के लिए नहीं है। हमने कारोबार करने के लिए एक संयंत्र स्थापित किया है। केंद्र की मंजूरी तब मिलेगी जब हम उनकी आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। हमने तीन साल में 10 करोड़ डॉलर (लगभग 840 करोड़ रुपए) के निवेश की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने संयंत्र के लिए 20 प्रतिशत प्रोत्साहन को मंजूरी दी है। मेहता ने कहा, कोविड के समय जब सेमीकंडक्टर की कमी थी, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकट को अवसर में बदलने को कहा था। हमने उस समय सेमीकंडक्टर कारोबार में उतरने का मन बनाया था। हमने उद्योग विशेषज्ञों के साथ काफी शोध के बाद कारखाना शुरू करने का फैसला किया। मेहता कपड़ा कंपनी सुची इंडस्ट्रीज के संस्थापक भी हैं। मेहता ने कहा, हमारे पास पहले से ही ऐसे ग्राहक हैं जिन्होंने अपनी आवश्यकताएं रखी हैं। हमारा अधिकांश उत्पादन विदेशी ग्राहकों के लिए होगा। हमने कुछ समय पहले परीक्षण उत्पादन शुरू किया है और हमारे कलपुर्जों का ग्राहकों द्वारा परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने कपड़ा कारोबार के कुछ कोष का इस्तेमाल किया है।

महायुति की जीत के बाद नागपुर पहुंचे देवेन्द्र फडणवीस का भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में महायुति की जीत का जश्न मनाने के लिए रविवार को अपने गृहनगर नागपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित एक रैली का नेतृत्व किया।

नागपुर दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक फडणवीस ने लोगों की 24 घंटे सेवा करने की महायुति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

फडणवीस का नागपुर पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों ने भव्य स्वागत किया। रैली नागपुर हवाई अड्डे से शुरू हुई और धरमपेठ में फडणवीस के आवास पर समाप्त हुई। फडणवीस ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, यह खुशी का क्षण है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद मैं अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि पर आया हूं। नागपुर मेरा परिवार है और मेरा परिवार मेरा स्वागत कर रहा है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन पर संविधान में विश्वास न करने का आरोप लगाया।

फडणवीस अपनी पत्नी अमृता फडणवीस, भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले और अन्य लोगों के साथ नागपुर हवाई अड्डे पर एक सजे-धजे खुले वाहन में सवार हुए। रैली के मार्ग पर जगह-जगह फडणवीस के स्वागत लगे बैनर दिखाई दे रहे थे।

फडणवीस ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए 'एक हैं तो सेफ हैं' और 'मोदी हैं तो मुमकिन हैं' के नारे लगाए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महायुति (गठबंधन) को गरीबों, आदिवासियों, किसानों, दलितों और ओबीसी तथा अन्य लोगों से (विधानसभा चुनावों में) आशीर्वाद मिला। यह चुनावी जीत लाडकी बहिन (महिलाओं के लिए एक योजना), लाडके शेतकरी (किसान), लाडके युवा (युवाओं), धनगर, मराठा और अन्य वर्गों द्वारा महायुति पर दिखाए गए भरोसे के कारण संभव हुई।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन ने 288 में से 230 सीट जीती थीं। केवल 46 सीट जीतने वाला विपक्षी दलों का गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में अनियमितताओं का आरोप लगा रहा है।

विपक्ष द्वारा ईवीएम के मुद्दे को आक्रामक तरीके से उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, ये लोग (विपक्षी) निराश हैं। उन्हें लोकतंत्र और निर्वाचन आयोग पर भरोसा नहीं है। उन्हें उच्चतम न्यायालय, भारतीय रिजर्व बैंक और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक पर भरोसा नहीं है। इसलिए, वे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान पर विश्वास नहीं करते।

मंत्रिपरिषद विस्तार में शामिल नहीं किए गए विधायकों को भी बाद में मौका मिलेगा: अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ 'महायुति' इस सरकार के कार्यकाल के दौरान उन अन्य विधायकों को भी मौका देगा, जिन्हें मौजूदा मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पवार ने मंत्रिमंडल विस्तार से पहले नागपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, हम ढाई साल के लिए दूसरों को भी मौका देंगे। उन्होंने कहा कि हर कोई मंत्री बनना चाहता है और उसे अवसर मिलना चाहिए, लेकिन मंत्री पद सीमित हैं।

महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली 'महायुति' गठबंधन सरकार के 10 दिन पुराने मंत्रिपरिषद का रविवार को विस्तार किया गया। उनतालीस मंत्रियों को शपथ दिलाए जाने के साथ मंत्रिपरिषद में सदस्यों की संख्या 42 हो गई। मंत्रिपरिषद विस्तार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 19 मंत्री पद मिले, एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को 11 और अजित पवार की राकांपा को नौ मंत्री पद मिले।

मंत्री बनने से वंचित रह गए प्रमुख नेताओं में राकांपा के छगन भुजबल और दिलीप वलसे पाटिल तथा भाजपा के सुधीर मुनगंटीवार शामिल हैं। तैंतीस विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि छह ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली।

महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 43 सदस्य हो सकते हैं। बीस नवंबर को हुए विधानसभा चुनावों में 'महायुति' ने राज्य की 288 सीटों में से 230 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की। भारतीय जनता पार्टी ने सबसे ज्यादा 132 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि शिंदे की शिवसेना ने 57 और अजित पवार की राकांपा 41 सीटों पर विजयी रही।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा, हर कोई चाहता है कि उसे मंत्री बनने का मौका मिले। हालांकि, मंत्री पद सीमित हैं, जबकि हर कोई मौका पाने का हकदार है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान कुछ विधायकों को डेढ़ साल तक मंत्री के रूप में काम करने का मौका मिला था।

अजित पवार ने कहा, हमने तय किया है कि इस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दौरान हम दूसरों को भी ढाई साल का मौका देंगे, जिसका मतलब है कि कई लोगों को (कैबिनेट) मंत्री और राज्य मंत्री बनने का मौका मिलेगा। इसके अनुसार कई जिलों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व मिलेगा।

महाराष्ट्र की दूसरी राजधानी नागपुर में राज्य विधानमंडल का सप्ताह भर चलने वाला शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होने वाला है।

रेलगाड़ी में लूट के पांचों आरोपी गाजियाबाद से गिरफ्तार

ऋषिकेश (उत्तराखंड)/भाषा। हरिद्वार और ऋषिकेश के बीच मोतीचूर के पास एक सवारी रेलगाड़ी में शुक्रवार रात हथियार का भय दिखाकर की गई लूटपाट के पांचों आरोपियों को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की हरिद्वार इकाई ने रविवार को गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक अनुज सिंह ने बताया कि आरोपियों से लूट का माल तथा वारदात में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि फिरोजाबाद जिले के महावीर नगर निवासी प्रभव शुक्ला ने रेलगाड़ी में लूट की घटना को लेकर तहरीर दी थी जिस पर कार्रवाई करते हुए जीआरपी थाना हरिद्वार ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो अपराध के सुराग मिले। सिंह ने बताया कि मामले के खुलासे के लिए रेलवे पुलिस के 'स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप' की चार टीम गठित की गयीं और पांचों आरोपियों को गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। इन आरोपियों के खिलाफ सहारनपुर और मुरादाबाद में दर्जनों मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों में अंश शर्मा, दीपक शर्मा, प्रदीप पाल, विवेक भाटी एवं सागर शामिल हैं। पूछताछ में पता चला है कि इन्हीं पांचों आरोपियों ने 11 और 12 दिसंबर की मध्यरात्रि में ऋषिकेश के श्यामपुर क्षेत्र में चार दुकानों के शटर तोड़कर उनमें चोरी की थी।

गुजरात में दो लोको पायलट के सतर्क रहने से आठ शेर ट्रेन की चपेट में आने से बचे

भावनगर/भाषा। गुजरात के भावनगर में एक मालगाड़ी और एक यात्री ट्रेन के लोको पायलट के सतर्क रहने के कारण आठ शेरों की जान बच गयी, क्योंकि उन्होंने समय रहते ब्रेक लगाकर इसे रोक दिया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। ये सभी शेर पिछले दो दिनों में गुजरात के भावनगर जिले में रेलवे पटरियों पर आ गए थे। भावनगर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक माशूक अहमद ने बताया कि पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल के लोको पायलटों की सतर्कता और वन विभाग के ट्रैकर्स की मदद से इस वित्तीय वर्ष में अब तक 104 शेरों को बचाया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार बृहस्पतिवार को हापा से पीपावाव बंदरगाह की ओर जा रही मालगाड़ी चला रहे लोको पायलट धवलभाई पी ने राजुला शहर के पास पांच शेरों को रेल पटरी पार करते देखा। इसमें कहा गया है कि सतर्क लोको पायलट ने ट्रेन को रोकने और शेरों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वन रक्षक के मौके पर पहुंचने और सभी स्थितियां सामान्य पाए जाने के बाद ट्रेन को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई। इसी तरह शुक्रवार को यात्री ट्रेन चला रहे लोको पायलट सुनील पंडित ने चलाला-धारी खंड में दो बच्चों के साथ एक शेरनी को रेल की पटरी पार करते देखा और आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया।

मुंबई के वर्ली में व्यावसायिक इमारत में आग लगी, कोई हताहत नहीं

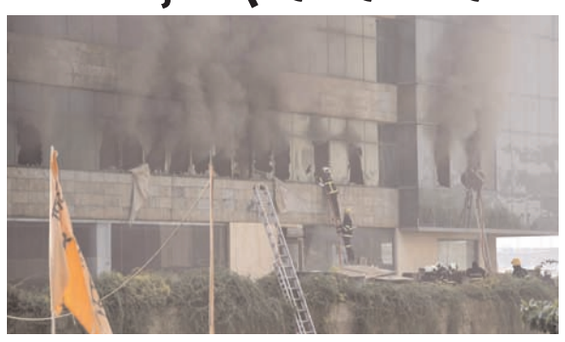

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दक्षिण मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार सुबह एक व्यावसायिक इमारत में लग गई, जिसपर करीब चार घंटे बाद काबू पा लिया गया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी।

अधिकारी ने बताया कि एनी बेसेंट रोड पर सात मंजिला पूनम चैंबर्स की दूसरी मंजिल पर हुई इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि पूर्वाह्न करीब 11:40 बजे लगी आग पर अपराह्न करीब 3:30 बजे काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि आग दूसरी मंजिल पर 12,000-13,000 वर्ग फुट में फैले 'राजश्री प्रोडक्शन स्टूडियो' तक ही सीमित रही। उन्होंने कहा कि आग बुझाने के लिए दमकल की आठ गाड़ियों, छह बड़े टैंकर, स्थानीय पुलिस और नगर निगम के कर्मचारियों की मदद ली गई। उन्होंने बताया कि आग लगने का वास्तविक कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

गुजरात के सूरत में 2.57 करोड़ रुपए मूल्य के जाली नोट जब्त, चार लोग गिरफ्तार

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत में 2.57 करोड़ रुपए मूल्य के जाली नोट जब्त किए गए और इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि चारों आरोपी महाराष्ट्र के अहिल्यानगर (पूर्व में अहमदनगर जिला) के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम सरोली में जब चारों आरोपी तीन बैग लेकर पैदल जा रहे थे तो एक जांच चौकी पर उन्हें पकड़ लिया गया।

सरोली पुलिस थाने के अधिकारी ने कहा, उन्होंने (आरोपियों ने) 500 रुपए के जाली नोट की 43 गड्डियां छिपा कर रखी थीं, जिनमें से प्रत्येक में 1,000 नोट थे। लोगों को ठगने के लिए इन गड्डियों में सबसे ऊपर और सबसे नीचे के नोट असली थे। उन्होंने बताया, इसके अलावा 21 ऐसी गड्डियां भी बरामद की गईं, जिनमें से प्रत्येक में 200 रुपए मूल्य के 1,000 नोट थे। उनकी योजना इन नोटों के जरिए बैंकों, बाजारों आदि में आम लोगों को ठगने की थी।

छूट में कमी के बाद नवंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटा

नई दिल्ली/भाषा। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर में घटकर जून, 2022 के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गया है। एक यूरोपीय शोध संस्थान की मासिक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। हालांकि, इसके बावजूद रूस अब भी भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है।

रूस द्वारा फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीद एक प्रतिशत से कम होती थी, जो बढ़कर 40 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से इसलिए हुई क्योंकि रूसी कच्चा तेल छूट पर उपलब्ध था। मूल्य सीमा और यूरोपीय देशों द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने से बचने की वजह से यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध अन्य कच्चे तेल से कम कीमत पर मिल रहा था।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, नवंबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में 55 प्रतिशत की भारी गिरावट आई। यह जून, 2022 के बाद का सबसे निचला आंकड़ा है। हालांकि, रूस अब भी भारत के लिए सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। रूस के बाद इराक और सऊदी अरब का स्थान है। सीआरईए ने बिना कोई सटीक आंकड़े दिए कहा, रूस के कच्चे तेल निर्यात का 47% चीन ने खरीदा है। उसके बाद भारत (37 प्रतिशत), यूरोपीय संघ (छह प्रतिशत) और तुर्किये (छह प्रतिशत) का स्थान है।

दिल्ली चुनाव: आप के उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी, केजरीवाल ने भाजपा की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को 38 उम्मीदवारों की अपनी अंतिम सूची जारी कर दी। सूची जारी करने के बाद, आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि उसके पास मुख्यमंत्री पद के लिए कोई चेहरा नहीं है।

दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होना है। आप की सूची के मुताबिक, पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे और मुख्यमंत्री आतिशी एक बार फिर कालकाजी से चुनाव मैदान में होंगी। केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पार्टी पूरे आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ रही है। भाजपा गायब है। उनके पास मुख्यमंत्री पद के लिए कोई चेहरा नहीं है, कोई टीम नहीं है, कोई योजना नहीं है और दिल्ली के लिए कोई दृष्टि नहीं है। उनके पास केवल एक ही नारा, एक ही नीति और एक ही मिशन है- 'केजरीवाल हटाओ'। उनसे पूछें कि उन्होंने पांच साल में क्या किया, तो वे जवाब देते हैं कि ''केजरीवाल को बहुत गाली दी। भाजपा ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। भाजपा नई दिल्ली सीट पर केजरीवाल के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को उतारने की योजना बना रही है। इस बीच, कांग्रेस ने 21 उम्मीदवारों की घोषणा की है जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित भी शामिल हैं जो नई दिल्ली सीट पर केजरीवाल को चुनौती देंगे। केजरीवाल ने कई मौकों पर, कांग्रेस के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार किया है बावजूद इसके कि दोनों पार्टियां 'इंडि' गठबंधन का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय राजधानी में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही आम आदमी पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं को उनके ही निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार बनाया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी 'विफलताओं' से देश का ध्यान भटकाने के लिए नेहरू का जिक्र किया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना और न्यूनतम लोकतांत्रिक शासन उनका मॉडल है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बस नेहरू के बारे में सोचते रहते हैं और अपनी विफलताओं व वर्तमान चुनौतियों से राष्ट्र का ध्यान भटकाने के लिए उनका हवाला देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी विफलताओं पर पूरी तरह चुप्पी साधे रहते हैं।

प्रधानमंत्री ने एक दिन पहले 'भारत के संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा था।

कांग्रेस नेता ने पूछा कि प्रधानमंत्री नेहरू के बिना क्या करेंगे, जिनके बारे में वह हमेशा सोचते रहते हैं? उन्होंने कहा, अपनी विफलताओं से राष्ट्र का ध्यान भटकाने के लिए नेहरू जरूरी है। जिन वर्तमान चुनौतियों पर वह (मोदी) पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं, उनसे राष्ट्र का ध्यान भटकाने के लिए नेहरू आवश्यक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता के लालच में संविधान को बार-बार 'लहूलुहान' किया जबकि 2014 में आई उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का उद्देश्य संविधान की दृष्टि के अनुरूप भारत की ताकत और एकता को बढ़ावा देना है।

भारत के लिए अपनी योजना पर कायम, कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएंगे : निसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जापान की वाहन कंपनी निसान की अपने भारतीय परिचालन को पटरी पर लाने की योजना अब भी कायम है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल के बावजूद यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है।

निसान इंडिया परिचालन के अध्यक्ष फ्रैंक टोरेस ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कंपनी ने तीसरी पाली जोड़ने के लिए अपने चेन्नई संयंत्र में कर्मचारियों की संख्या में 600 की वृद्धि की है। कंपनी को नहीं लगता कि 9,000 नौकरियों में कटौती और वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत उत्पादन में कमी का भारत पर कोई प्रभाव पड़ेगा, बशर्ते वह बाजार में प्रतिस्पर्धी बनी रहे। उन्होंने कहा, निसान भारत पर बड़ा दांव लगा रही है...और वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद उसकी योजनाएं (भारत के लिए) बरकरार हैं। टोरेस एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या वैश्विक स्तर पर नौकरियों और उत्पादन में कटौती की घोषणा का निसान के भारतीय परिचालन पर असर पड़ेगा। टोरेस ने कहा, धारणा के विपरीत, भारत में हम अपने सदस्यों को मजबूत कर रहे हैं, अपना उत्पादन बढ़ा रहे हैं, और हमने चेन्नई में अपने विनिर्माण संयंत्र में लगभग 600 नए पद जोड़े हैं। उन्होंने कहा, यह कदम उत्पादन में बदलाव में मदद करने के लिए है। हम दो नए मॉडल के साथ बहुत जल्द उत्पादन का विस्तार कर रहे हैं...यह वैश्विक कार्रवाई के बावजूद है, जिसमें पुनर्गठन शामिल है। हम यह अनुमान नहीं लगाते हैं कि इसका असर भारत पर पड़ेगा क्योंकि हमारी योजनाएं अब भी अछूती हैं। बेशक, हमारे लिए मुख्य बिंदु प्रतिस्पर्धी बने रहना है। क्योंकि, अंत में निसान के अंदर यही सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।

छत्तीसगढ़: कांकेर जिले में बारूदी सुरंग निष्क्रिय करते समय बीएसएफ जवान घायल

कांकेर/भाषा। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बारूदी सुरंग को निष्क्रिय करने के दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कांकेर जिले के पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलेसेला ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 9.30 बजे हेटारकसा गांव की सड़क पर पानीडोबीर कैंप के पास हुई। एलेसेला ने बताया कि सुरक्षाबलों के दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था। दल जब हेटारकसा गांव की सड़क पर पानीडोबीर कैंप के करीब था तब उन्हें वहां बारूदी सुरंग होने की जानकारी मिली। जब बारूदी सुरंग को निष्क्रिय किया जा रहा था तभी उसमें विस्फोट हो गया, जिससे बीएसएफ जवान बी ईश्वर राव के हाथ और चेहरे पर मामूली चोटें आईं। अधिकारी ने बताया कि घायल जवान का प्रारंभिक उपचार किया गया और बेहतर चिकित्सा के लिए उसे अस्पताल ले जाया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर रविवार को रात करीब डेढ़ बजे रायपुर पहुंचे। वह रायपुर और बस्तर जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

'चुनाव परिणाम को स्वीकार कर ईवीएम पर रोना बंद करे कांग्रेस'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने महत्वपूर्ण सहयोगी के साथ टकराव के एक और मुद्दे को छेड़ते हुए कांग्रेस पार्टी की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर तीखी आपत्ति को खारिज किया और एक तरह से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रुख को दोहराते हुए कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि जब आप चुनाव जीतें तो परिणाम स्वीकार कर लें और जब हार जायें तो ईवीएम पर दोष मढ़ दें।

उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा, जब इसी ईवीएम के इस्तेमाल से (हुए चुनाव के बाद) संसद में आपके सौ से अधिक सदस्य पहुंच जाते हैं और आप इसे अपनी पार्टी के लिए जीत का जश्न मनाते हैं, तो आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि... हमें ये ईवीएम पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव के परिणाम उस तरह नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं। यह कहे जाने पर कि वह भाजपा के एक 'प्रवक्ता' की तरह बात कर रहे हैं, तो अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा, ईश्वर ना करें। उन्होंने फिर कहा, नहीं, यह ऐसा ही है...जो सही है वह सही है।

उमर ने कहा कि वह गठबंधन सहयोगी के प्रति निष्ठा के बजाय सिद्धांतों के आधार पर बोलते हैं और सेंट्रल विस्टा जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अपने समर्थन को अपनी स्वतंत्र सोच का उदाहरण बताया।

नेशनल कांफ्रेंस नेता अब्दुल्ला ने कहा, हर किसी की धारणा के विपरीत, मुझे लगता है कि दिल्ली में सेंट्रल विस्टा परियोजना के साथ जो हो रहा है वह एक बहुत अच्छी चीज है। मेरा मानना है कि नया संसद भवन बनाना एक बेहतरीन विचार था। हमें नये संसद भवन की आवश्यकता थी। पुराना भवन अपनी उपयोगिता खो चुका है। उन्होंने कहा कि अगर पार्टियों को मतदान तंत्र पर भरोसा नहीं है तो उन्हें चुनाव नहीं लड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, यदि आपको ईवीएम से दिक्कत है, तो उसे लेकर आपका रुख एकसमान रहना चाहिए। उनसे पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि आम तौर पर विपक्ष, खास तौर पर कांग्रेस ईवीएम पर ध्यान केंद्रित करके गलत रास्ता अपना रही है।

पलानीस्वामी ने द्रमुक के विधानसभा चुनाव में 200 सीट जीतने के दावे को दिवास्वप्न बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी ने रविवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेताओं के उस दावे को एक दिवास्वप्न करार दिया जिसमें कहा गया है कि उनका गठबंधन 2026 के विधानसभा चुनाव में 200 सीट पर जीत हासिल करेगा।

यहां पार्टी की सामान्य परिषद और कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने द्रमुक शासन में चौतरफा भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि उसे सरकारी कर्मचारियों और परिवहन कर्मचारियों सहित विभिन्न वर्गों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। द्रमुक शासन पर 'अक्षम' होने का आरोप लगाते हुए पलानीस्वामी ने विल्लुपुरम, कुड्डालोर और अन्य क्षेत्रों में बारिश और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए मौसम विभाग के अधिकारियों के 'रेड अलर्ट' पर कार्रवाई नहीं करने के लिए भी मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर 'कुंभकर्ण की नींद' सोने का आरोप लगाया। सत्तारूढ़ पार्टी के नेता और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और पार्टी सांसद कनिमोझी ने इसके पहले टिप्पणी की थी कि हम अहंकार के साथ कह रहे हैं कि द्रमुक नीत गठबंधन 2026 के विधानसभा चुनाव में 234 सीट में से 200 सीट पर जीत दर्ज करेगा। पलानीस्वामी ने कहा, ''कनिमोझी कहती हैं कि वह अहंकार के साथ कह रही हैं कि उनकी पार्टी 200 सीट जीतेगी, लेकिन यह एक सपना है जो कभी हकीकत नहीं बन सकता।'' उन्होंने कहा कि द्रमुक का 200 सीट जीतने का नारा सिर्फ एक दिवास्वप्न है, जिसे कभी साकार नहीं किया जा सकता। अन्नाद्रमुक महासचिव ने दावा किया कि केवल उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन 200 सीट जीतेगा और उन्होंने कहा कि वह चुनाव से पहले सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने के लिए जनवरी 2025 में राज्यव्यापी दौरा शुरू करेंगे। हाल ही में तमिझागा वेत्री कषगम के प्रमुख और अभिनेता विजय ने 200 सीट जीतने का दावा करने वाले द्रमुक पर अहंकारी होने का आरोप लगाया था।

मुख्यमंत्री स्टालिन को अन्नाद्रमुक ने 'अहंकारी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में मुख्य विपक्षी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की कार्यकारी समिति और सामान्य परिषद की बैठक रविवार को चेन्नई में आयोजित की गई जिसमें उसने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के 'अहंकारी' होने का आरोप लगाया। विपक्षी पार्टी ने दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं।

अन्नाद्रमुक की नेता और पूर्व मंत्री बी.वलारमथी ने मुख्यमंत्री स्टालिन पर अहंकार की पराकाष्ठा' पर होने और विपक्षी दलों का मखौल उड़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के गिने-चुने' दिन रह गए हैं। वलारमथी ने कहा कि अन्नाद्रमुक के प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए तैयार हैं। तमिझागा वेत्री कषगम के प्रमुख और अभिनेता विजय ने द्रमुक के 200 सीट जीतने के दावे पर उन्हें अहंकारी होने का आरोप लगाया और कहा था कि लोग सत्तारूढ़ पार्टी के स्वार्थी गठबंधन की 'गणना' को 'माइनस' कर देंगे। विल्लुपुरम से अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता सी.वी.षणमुगम ने गठबंधन के सवाल पर कहा कि दलों के साथ सही समय पर गठबंधन किया जाएगा। उन्होंने याद किया कि अन्नाद्रमुक ने साल 2001 और 2011 के विधानसभा चुनाव में आसानी से जीत हासिल की थी और तब राज्य चुनाव से ठीक पहले गठबंधन किया गया था। उन्होंने कहा, गठबंधन बनेगा और महासचिव उसका ख्याल रखेंगे।'' विजय की पार्टी टीवीके ने पिछले महीने कहा था कि उसका लक्ष्य 2026 का विधानसभा चुनाव जीतकर सरकार बनाना है और उसने अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार किया था।

आईसीएमआर ने चेन्नई में भारत का पहला मधुमेह बायोबैंक स्थापित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नईदिल्ली। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने मद्रास मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन (एमडीआरएफ) के सहयोग से चेन्नई में देश का पहला मधुमेह बायोबैंक स्थापित किया है, जो वैज्ञानिक अनुसंधान को समर्थन देने के उद्देश्य से जनसंख्या आधारित जैविक नमूनों का भंडार है। चेन्नई में स्थापित बायोबैंक एमडीआरएफ का उद्देश्य आईसीएमआर की अनुमति से वैज्ञानिक अध्ययनों में सहायता के लिए जैव नमूनों को इकट्ठा करना, संसाधित करना, संग्रहित करना और वितरित करना है।

एमडीआरएफ और डॉ. मोहन मधुमेह विशेषज्ञ केंद्र के अध्यक्ष डॉ. वी. मोहन ने कहा कि बायोबैंक मधुमेह के कारणों, भारतीय प्रकार के मधुमेह और संबंधित विकारों के विभिन्न रूपों पर उन्नत शोध की सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि बायोबैंक में रक्त के नमूने हैं, जिन पर आईसीएमआर वित्त पोषित दो अध्ययन किये जा चुके हैं। पहला अध्ययन इंडिया डायबिटीज (आईसीएमआर-इंडियाबी) अध्ययन जो 2008 से 2020 तक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरणों में आयोजित किया गया था जबकि दूसरा भारत में कम उम्र में मधुमेह से पीड़ित लोगों की ''रजिस्ट्री'' है, जिसे 2006 में शुरू किया गया था और अब भी जारी है।

मोहन ने कहा कि युवाओं में विभिन्न प्रकार के मधुमेह, जैसे टाइप 1, टाइप 2 और गर्भावधि मधुमेह के रक्त के नमूनों को भविष्य के अध्ययन और शोध के लिए संग्रहित किया गया है। बायोबैंक की स्थापना की प्रक्रिया लगभग दो साल पहले शुरू हुई थी।

करोड़पति बनने का तमगा बहुत मायने रखता है : विश्व चैम्पियन गुकेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/सिंगापुर। नये विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए करोड़पति बनने का तमगा बहुत मायने रखता है लेकिन वह भौतिक लाभ के लिए नहीं खेलते बल्कि इसका आनंद उठाने के लिए खेलते हैं और वह इस लगाव को तब से बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं जब शतरंज बोर्ड उनके लिए सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था। चेन्नई के 18 वर्षीय गुकेश अब 11.45 करोड़ रुपये अधिक अमीर हो गए हैं जो उन्हें फाइनल में चीन के डिंग लिरेन को हराने के लिए फिडे से पुरस्कार राशि के रूप में मिलेगा।

गुकेश के पिता रजनीकांत ने अपने बेटे के साथ सर्किट पर जाने के लिए 'ईएनटी सर्जन' के तौर पर अपना करियर छोड़ दिया जबकि उनकी मां पद्मकुमारी एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं जो परिवार की एकमात्र कमाने वाली बन गईं। यह पूछे जाने पर कि करोड़पति होना उनके लिए क्या मायने रखता है तो गुकेश ने एक साक्षात्कार के रूप में फिडे को बताया, यह बहुत मायने रखता है। जब मैं शतरंज में आया तो हमें एक परिवार के रूप में कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़े। मेरे माता-पिता वित्तीय और भावनात्मक कठिनाइयों से गुजरे थे। अब, हम अधिक सहज हैं और मेरे माता-पिता को उन चीजों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, ''व्यक्तिगत रूप से मैं पैसे के लिए शतरंज नहीं खेलता। '' वह हमेशा याद रखने की कोशिश करते हैं कि जब उसे अपना पहला शतरंज बोर्ड मिला था तो उन्होंने यह खेल क्यों खेलना शुरू किया था। नये विश्व चैम्पियन बने गुकेश ने कहा, ''मैं अब भी वही बच्चा हूं जिसे शतरंज पसंद है। यह सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था।'' मितभाषी विश्व चैंपियन के पिता उनके प्रबंधक की भूमिका निभाते हैं, उनकी सभी ऑफ-बोर्ड गतिविधियों का ध्यान रखते हैं और उसे खेल पर ध्यान केंद्रित करने देते हैं जबकि उनकी मां भावनात्मक और आध्यात्मिक शक्ति का स्तंभ है।

गुकेश ने कहा, ''मां अब भी कहती है। मुझे यह जानकर खुशी होगी कि तुम एक महान शतरंज खिलाड़ी हो, लेकिन मुझे यह सुनकर अधिक खुशी होगी कि तुम एक महान व्यक्ति हो।'' अब भी अपनी किशोरावस्था में गुकेश को लगता है कि खेल के एक छात्र के रूप में वह जितना अधिक शतरंज के बारे में सीखेगा, उतना ही उसे पता चलेगा कि वह कितना कम जानता है। उन्होंने कहा, यहां तक कि सबसे महान खिलाड़ी भी बहुत सारी गलतियां करते हैं। भले ही तकनीक इतनी उन्नत हो, लेकिन शतरंज के बारे में अब भी बहुत कुछ सीखना बाकी है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जितना अधिक आप कुछ सीखते हैं, उतना ही आपको अहसास होता है कि आप उस चीज को नहीं जानते हैं। गुकेश ने कहा, ''जब भी मैं शतरंज बोर्ड पर होता हूं तो मुझे लगता है कि मैं कुछ नया सीख रहा हूं। यह असीमित सुंदरता की प्रक्रिया है। ''

अन्नाद्रमुक ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के लिए भोज का आयोजन किया

चेन्नई। तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने रविवार को पार्टी की कार्यकारी समिति और आम परिषद की बैठक में अपने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए भव्य दोपहर भोज का आयोजन किया। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)के नेता सी. विजयभास्कर ने बताया कि मटन बिरयानी और मछली के व्यंजन सहित मांसाहारी भोजन करीब 7,000 मेहमानों को परोसा गया। उन्होंने बताया कि करीब 1,000 लोगों को शाकाहारी भोजन परोसा गया। विजयभास्कर ने पत्रकारों से कहा, आम परिषद की बैठक एक उत्सव की तरह होती है और महासचिव (ई.के. पलानीस्वामी) की इच्छा है कि बैठक के लिए दूर-दूर से आने वाले पार्टी कार्यकर्ता संतुष्ट हों और इसी के अनुरूप व्यवस्था की गई है। उपनगरीय वनागरम में स्थित एक प्रसिद्ध विवाह भवन में शाकाहारी और मांसाहारी भोजन तैयार करने वाली टीमों के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई थी। पार्टी महासचिव पलानीस्वामी ने पूर्व मंत्रियों के.पी. मुनुसामी और सेल्वुर के. राजू और पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम स्थल पर भोजन किया।

निलंबित वीसीके नेता आधव अर्जुन ने पार्टी छोड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लॉटरी कारोबारी सैंटियागो मार्टिन के दामाद और विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) के निलंबित नेता आधव अर्जुन ने रविवार को कहा कि उन्होंने ''भारी मन'' से पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन को पत्र लिखकर उन्होंने कहा कि उन्हें उनके विचार पसंद नहीं हैं, जो बहस का विषय बनते जा रहे हैं।

उन्होंने थिरुमावलवन, वीसीके और उसके कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि लोगों के लिए समानता, समान न्याय और लोकतंत्र की दिशा में उनकी यात्रा जारी रहेगी। वीसीके प्रमुख ने 9 दिसंबर को पार्टी के उपमहासचिव आधव अर्जुन को छह महीने के लिए निलंबित करने की घोषणा की। यह कार्रवाई अर्जुन द्वारा सत्तारूढ़ द्रमुक को निशाना बनाकर की गई 'राजशाही' टिप्पणी को लेकर की गई थी।

दिलजीत ने अपने कॉन्सर्ट में शतरंज के विश्व चैंपियन गुकेश की तारीफ की

नईदिल्ली। पंजाब के मशहूर गायक दिलजीत दोसांझ ने चंडीगढ़ में अपने संगीत कार्यक्रम के दौरान शतरंज के विश्व चैंपियन डी. गुकेश की उनके सपने को हकीकत में बदलने के लिए तारीफ की। भारत के ग्रैंडमास्टर गुकेश ने शतरंज के खेल में चीन के डिंग लीरेन को बृहस्पतिवार को हराकर 18 वर्ष की उम्र में सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन होने का खिताब अपने नाम कर लिया।

दिलजीत ने अपने दिल-लुमिनाटी इंडिया टूर 2024 के तहत चंडीगढ़ में शनिवार को एक शो किया और सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर इसका वीडियो भी साझा किया। अभिनेता-गायक वीडियो में कहते हुए

नजर आ रहे हैं, आज रात का कॉन्सर्ट शतरंज के विश्व चैंपियन गुकेश को समर्पित है। क्या आप जानते हैं कि यह उन्हें क्यों समर्पित किया गया? क्योंकि आप जीवन में जो भी सपना देखते हैं, गुकेश पहले ही वह सपना देख चुके हैं और उसे हकीकत में तब्दील कर दिया है। वह विश्व चैंपियन बन गए हैं। दिलजीत ने अपने संगीत कार्यक्रम में तेलुगु फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा'' का प्रसिद्ध पोज भी दिया।

उन्होंने फिल्म में अल्लू अर्जुन के लोकप्रिय संवाद का संदर्भ देते हुए चुटकी ली। दिलजीत ने कहा, क्या आपने पुष्पा' फिल्म देखी है? मैंने पहली फिल्म देखी है, लेकिन दूसरा भाग अभी तक नहीं देखा है। उसका एक मशहूर डायलॉग है झुकेगा नहीं साला'। साला नहीं झुकेगा, तो क्या जीजा झुक जायेगा?''

कोझीकोड में 18 को अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दिवस का होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोझिकोड में 18 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दिवस समारोह का आयोजन होगा। रविवार को यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि केरल सरकार के नॉन रेजीडेंट केरलाइट्स अफेयर्स (एनओआरकेए)-रूट्स द्वारा लोक केरल सभा सचिवालय के सहयोग से आयोजित होने वाले इस समारोह की शुरुआत राज्य के खेल और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री वी. अब्दुरहीमान करेंगे।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन इस समारोह में राज्य के प्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए एक संदेश देंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रवासी दिवस समारोह में विभिन्न विषयों पर चर्चा और प्रस्तुतियां होंगी।

गंभीर रूप से बीमार बुजुर्ग को हवाई मार्ग से लक्षद्वीप से कोच्चि लाया गया

कोच्चि। लक्षद्वीप के अगत्ती द्वीप से गंभीर रूप से बीमार 61 वर्षीय एक बुजुर्ग को चुनौतीपूर्ण मौसमी परिस्थितियों के बावजूद रविवार तड़के हवाई मार्ग के जरिये यहां लाया गया। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करके बताया कि चिकित्सा आधार पर आपात स्थिति को देखते हुए शनिवार देर रात यहां आईएनएस गरुड़ से भारतीय नौसेना के एक डोर्नियर विमान ने लक्षद्वीप के लिए उड़ान भरी। प्रवक्ता ने बताया कि मरीज को लेकर विमान रविवार तड़के साढ़े तीन बजे कोच्चि पहुंचा, ताकि मरीज को चिकित्सा सुविधा मिल सके।

भूस्खलन आपदा राहत मामले में जख्मों पर मिर्च छिड़क रही केंद्र सरकार : केरल के वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के वित्तमंत्री के. एन. बालगोपाल ने वायनाड भूस्खलन के दौरान भारतीय वायुसेना (आईएएफ) द्वारा किए गए आपदा राहत व बचाव कार्यों के लिए भुगतान की मांग करने के लिए केंद्र सरकार की रविवार को आलोचना की। बालगोपाल ने इस कदम को राज्य के ''जख्मों पर मिर्च छिड़कने'' करार दिया, जो पहले से ही आपदा के बाद के बोझ से दबा हुआ है।

उन्होंने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर आपदा राहत कार्यों के लिए राज्य से किए गए वादे के मुताबिक धन मुहैया कराने में विफल रहने का आरोप भी लगाया। बालगोपाल ने आरोप लगाया कि यह राज्य के लोगों का मखौल उड़ाने जैसा है। उन्होंने कहा, इस तरह के रुख के अलावा, वायुसेना के नाम पर एक नया बिल पेश किया गया है। बालगोपाल ने कहा, वास्तव में, यह रुख गंभीर घाव पर मिर्च छिड़कने जैसा है।

बालगोपाल ने ये टिप्पणी बकाये ''हवाई सेवा शुल्क भुगतान'' शीर्षक वाले 22 अक्टूबर, 2024 तिथि के एक पत्र के संबंध में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में की, जो दो नवंबर को तत्कालीन मुख्य सचिव वी. वेणु के कार्यालय को प्राप्त हुआ था। उक्त पत्र में भुगतान नहीं किए गए बिल का विवरण था। पत्र में कहा गया है कि 2018 में आयी बाढ़ के दौरान बचाव कार्यों से संबंधित 100 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि और वायनाड में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन के बाद भारतीय वायुसेना के कार्यों के लिए 13 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान नहीं किया गया है। इस बीच, भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने वाम सरकार की आलोचना करते हुए उस पर पत्र को लेकर विवाद पैदा करने का आरोप लगाया।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, राहत कार्यों के लिए भारतीय वायुसेना की सेवाओं के पर होने वाले खर्च का नियमित रूप से भुगतान राज्यों को करना होता है, लेकिन (केरल के मुख्यमंत्री) पिनराई विजयन की सरकार इसके लिए विवाद क्यों खड़ा कर रही है। राज्य सरकार के अनुसार, 30 जुलाई को वायनाड में हुए भूस्खलन ने तीन गांवों - पुंचरीमट्टम, चूरलमाला और मुंदक्कई - के बड़े हिस्से के साथ-साथ अट्टामाला के कुछ हिस्से बहुत बुरी तरह प्रभावित हुए, जिसमें 231 लोगों की जान चली गई।

सड़क हादसे में नवविवाहित दंपति समेत चार की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा/भाषा। केरल के पथनमथिट्टा जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस से रविवार सुबह एक कार टकरा गई जिससे कार सवार नवविवाहित दंपति सहित परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे पुनालुर-मुवत्तुपुझा राज्य राजमार्ग पर हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार के यात्रियों को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकाल लिया गया है। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि कार बस से टकरा गई। बस तेलंगाना से सबरीमला तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही थी और बस में सवार किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पिछले महीने शादी करने वाला नवविवाहित दंपति मलेशिया से हनीमून मनाकर घर लौट रहा था। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना पीड़ितों के घर से मात्र 10 किलोमीटर दूर हुई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई-निविदा IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किया जाएगा। निविदा सूचना का हिंदी संस्करण वेबसाइट www.icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

क्र. सं.	खुली निविदा संख्या	मदों का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा की तारीख: निविदा बंद होने की तारीख	निविदा की तारीख: निविदा खुलने की तारीख
1	2024178211631 दिनांक : 09.12.2024	एक वर्ष के लिए CERT-In में सूचीबद्ध विक्रेता द्वारा नेटवर्क सुरक्षा ऑडिट (VAPT) इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई 600038 के लिए	1	06.01.2025 को 10.30 बजे	06.01.2025 को 11.00 बजे

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई निविदा - IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लांगइन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

खुली निविदा संख्या	मदों का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (रु.)	अनुबंध की अवधि	निविदा की तारीख: निविदा बंद होने की तारीख	निविदा की तारीख: निविदा खुलने की तारीख
2024499 211632	फर्निशिंग और एलएचवी डिवीजन में अग्निशामक यंत्रों के रखरखाव और सर्विसिंग के लिए कार्य अनुबंध।	30,96,966.79/-	1 वर्ष	09.01.2025 को 14.45 बजे	09.01.2025 को 15.00 बजे

उपरोक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण https://icf.indianrailways.gov.in/ पर उपलब्ध है।
मुख्य संरक्षा अधिकारी / फर
स्य संरक्षा अधिकारी/फर

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

अधिसूचना
सं.एमडी/आईसीएफ/केस टू केस दिनांक : 12.12.2024
केस टू केस आधार पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति

आईसीएफ अस्पताल, चेन्नई - 600 038 में केस टू केस आधार पर निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र. सं.	विशेषता	विशेष रुचि का क्षेत्र/उपविशेषता
1	स्त्री रोग	स्त्री रोग विशेषज्ञ
2	कार्डियोलांजी	हृदय रोग विशेषज्ञ
3	एंडोक्राइनोलांजी	एंडोक्राइनोलांजिस्ट
4	रुमेटोलांजी	रुमेटोलांजिस्ट
5	यूरो स्त्री रोग (महिला)	यूरो स्त्री रोग विशेषज्ञ (महिला)
6	रेडियोलांजी	अल्ट्रा साउंड स्कैनिंग के लिए रेडियोलांजिस्ट
7	यूरोलांजी	यूरोलांजिस्ट
8	नेफ्रोलांजी	नेफ्रोलांजिस्ट

आवेदन A4 आकार के कागज पर निर्धारित प्रारूप में भरे जाने चाहिए और सभी आवश्यक संलग्नकों के साथ पूरे होने चाहिए। विज्ञापन, आवेदन पत्र और अन्य विवरण इंटीग्रल कोच फैक्ट्री की वेबसाइट https://icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध हैं। आवेदन पत्र वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं या पीसीएमओ के कार्यालय से हासिल किए जा सकते हैं और आवेदन पत्र को विधिवत भरा और हस्ताक्षरित करके सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्व-सत्यापित प्रतियों के साथ 20 जनवरी 2025 को या उससे पहले प्रिंसिपल चीफ मेडिकल ऑफिसर, आईसीएफ अस्पताल, चेन्नई - 600 038 के कार्यालय में जमा करना चाहिए। (यदि नियमित आईआरएचएस विशेषज्ञ उपलब्ध हैं तो केस-टू-केस कंसल्टेंट की उपरोक्त आवश्यकता भिन्न हो सकती है)।

संपर्क नंबर : 044-26146640, 26146633
प्रिंसिपल मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आईसीएफ अस्पताल/चेन्नइ-600038.

राजस्थान में भाजपा सरकार का पहला साल पूरा, कई उपलब्धियां गिनाईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने रविवार को एक साल पूरा कर लिया। राज्य सरकार की पहले साल की उपलब्धियों में 1.24 लाख से अधिक नौकरियां, पेपर लीक माफिया पर कार्रवाई और पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर को शामिल किया जा रहा है। सरकार ने अपने पहले साल में ही जयपुर में निवेश शिखर सम्मेलन किया और 34 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। यह राजस्थान की अर्थव्यवस्था को बढ़ाकर 350 अरब डॉलर करने के सरकार के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है जिसके लिए सरकार ने इस साल के बजट में पूंजीगत व्यय में 65 प्रतिशत की वृद्धि की है। राज्य में विधानसभा की सात सीट के लिए हाल ही में उपचुनाव में भाजपा द्वारा पांच सीट जीतने का श्रेय भी शर्मा के सशक्त नेतृत्व को दिया जा रहा है।

हालांकि, कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की स्पष्ट कलह, पूर्ववर्ती सरकार द्वारा नए जिलों के गठन, 2021 की विवादास्पद सब-इंस्पेक्टर भर्ती और एक राज्य, एक चुनाव जैसे मुद्दों पर निर्णय नहीं ले पाने की स्थिति सरकार के सामने चुनौती बनी रही है। इसके साथ ही कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा दावा करते हैं कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में नौकरशाही हावी हो गई है। डोटासरा ने सरकार पर निर्णय नहीं कर पाने और केंद्र से आने वाले पर्ची आदेशों पर काम करने का आरोप लगाया है। जब पहली बार विधायक बने शर्मा ने पिछले साल 15 दिसंबर को भौगोलिक रूप से देश के सबसे बड़े राज्य की बागडोर संभाली तो लोग वसुंधरा राजे (दो कार्यकाल) और अशोक गहलोत (तीन कार्यकाल) के 25 साल तक राज्य पर शासन करने के बाद नए मुख्यमंत्री को लेकर उत्साहित थे। हालांकि, उनके मन में नए मुख्यमंत्री के 'प्रदर्शन' को लेकर आशंका भी थी। शर्मा को राजे जैसे दिग्गजों की 'अनदेखी' करते हुए चुना गया।

हालांकि, अपनी कड़ी मेहनत और विनम्र तथा संतुलित दृष्टिकोण के साथ शर्मा ने सरकार में कई उपलब्धियां दर्ज कर और अपनी राजनीतिक सूझबूझ का परिचय देकर खुद को साबित किया, जिसके लिए उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी प्रशंसा मिली। एक साल पूरे होने पर राज्य सरकार ने बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, ग्रामीण और शहरी विकास, परिवहन और उद्योग समेत विभिन्न क्षेत्रों में कई उपलब्धियां गिनाई हैं। सत्ता में आने के बाद शर्मा ने पेपर लीक मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की घोषणा की। एसआईटी ने 2021 में भर्ती अभियान में चयनित 50 से अधिक प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया। सरकार ने 32,254 पदों पर नियुक्तियां दी हैं और 91,928 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को अतिरिक्त 2,000 रुपये देने वाली 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना के तहत 65 लाख से अधिक किसानों को कुल 653.4 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई। एक हजार रुपये की पहली किस्त जून में दी गई थी और दूसरी किस्त 13 दिसंबर को हस्तांतरित की गई थी। इसी तरह पूर्वी राजस्थान के जिलों की सिंचाई और पेयजल आवश्यकताओं के लिए संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना के लिए राजस्थान, मध्यप्रदेश और केंद्र द्वारा एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं देने का आरोप लगाया था। भाजपा सरकार ने राज्य में सत्ता में आने के बाद इस परियोजना को प्राथमिकता से लिया। सरकार ने 'राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन' का भी आयोजन किया और 34 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल पहले वर्ष में की गई ताकि अगले चार वर्षों में निवेश प्रतिबद्धताओं को जमीन पर उतारा जा सके। मोदी ने नौ दिसंबर को शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा था, बहुत ही कम समय में यहां भजन लाल जी और उनकी पूरी टीम ने शानदार काम करके दिखाया है। भजन लाल जी जिस कुशलता और प्रतिबद्धता के साथ राजस्थान के तेज विकास में जुटे हैं, वो प्रशंसनीय है।

राज्य के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत मिलने के बाद राजे जैसी दिग्गज हस्तियों के मुकाबले बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले शर्मा को चुना गया। दरअसल, राजे ने ही पार्टी हाईकमान द्वारा भेजी गई पर्ची को पढ़कर उनके नाम की घोषणा की थी।

'ब्रेन डेड' युवक के अंगों से छह लोगों को मिलेगा जीवनदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एक 'ब्रेन डेड' युवक के विभिन्न अंगों से कम से कम छह लोगों को नया जीवन मिलने जा रहा है। युवक के महत्वपूर्ण अंगों को रविवार को झालावाड़ से हेलीकॉप्टर के जरिए जोधपुर और जयपुर लाया गया। राज्य में शायद यह पहली बार है जब जयपुर और जोधपुर में प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए अंगों को हेलीकॉप्टर से लाया गया। झालावाड जिले के मानपुरा पीपाजी निवासी विष्णु प्रसाद (33) 10 दिसंबर को हाथापाई में घायल हो गए थे। चिकित्सकों की एक टीम ने 12 दिसंबर को उन्हें 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया, जिसके बाद उनके परिजनों द्वारा दान किए गए अंगों को जोधपुर और जयपुर लाया गया।

सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल के अधीक्षक डॉ. दीपक माहेश्वरी ने कहा, एसएमएस अस्पताल में आज अंग प्राप्त हुए हैं और प्रत्यारोपण सर्जरी की जा रही है। एक किडनी, दो फेफड़े और हृदय जयपुर में जरूरतमंद मरीज को प्रत्यारोपित किए जाएंगे, जबकि एक किडनी और लिवर जोधपुर में प्रत्यारोपित किए जाएंगे। झालावाड़ से अंगों को लेकर एक हेलीकॉप्टर जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज पहुंचा। यहां से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 'ऑर्गन बॉक्स' को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया।

हेलीकॉप्टर में ईंधन भरा गया और बाद में जोधपुर के लिए उड़ान भरी। अंगों को प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए जोधपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाया जाएगा। झालावाड़ में न्यूरोसर्जन डॉ. रामसेवक योगी ने संवाददाताओं को बताया कि विष्णु प्रसाद को घायल अवस्था में उपचार के लिए 11 दिसंबर को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन के दौरान युवक के दिमाग ने काम करना बंद (ब्रेन डेड) कर दिया। इसके बाद एक कमेटी बनाई गई, जिसमें युवक को 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया गया। झालावाड़ जिलाधिकारी अजय सिंह राठौड़ और अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों की मौजूदगी में मृतक के पिता तथा उसकी पत्नी अनीता की समझाइश की गई। वे अंगदान पर सहमत हो गए।

दीया कुमारी ने किया देसूरी की नाल का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजसमंद। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पाली और राजसमंद (मारवाड़ और मेवाड़) को जोड़ने वाली देसूरी की नाल पर हो रहे सड़क हादसों के चलते रविवार को घाट क्षेत्र का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को सड़क के चौड़ाईकरण, क्रॉस बैरियर, रंबल स्ट्रिप लगाने और एलिवेटेड रोड की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनवाने के निर्देश दिए। इन सुधारात्मक उपायों से इस मार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम संभव हो सकेगी और यात्रियों को यात्रा में सुरक्षा मिल सकेगी।

निरीक्षण के बाद श्रीमती दीया कुमारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि देसूरी की नाल में अब तक कई जानलेवा हादसे हो चुके हैं जो चिंता का विषय हैं और इस क्षेत्र के निरीक्षण के लिए जयपुर से टीम जिसमें अधिकारियों सहित हम सब लोग शामिल हैं तथा दुर्घटना संभावित कुछ स्थानों का निरीक्षण किया गया हैं। उन्होंने इस घाट क्षेत्र को सुधारना सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि जहां सेफ्टी वॉल बनाना एवं सड़क के चौड़ाईकरण करने सहित जो भी जरूरी होंगे वे सभी कदम उठाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को सुधारने के लिए एक महीने का समय दिया गया हैं और इस दौरान वह स्वयं भी जयपुर से इस पर निगरानी रखेंगी। उन्होंने कहा कि इसे नेशनल हाइवे को सौंपा जायेगा और प्राथमिकता यही रहेगी कि इसका सुधार चाहे राज्य सरकार करे या केन्द्र सरकार। श्रीमती दीया कुमारी ने कहा कि गत सरकार के समय भी बतौर सांसद उन्होंने इस रोड को बेहतर बनाने के लिए प्रयास किए थे, अब हमारी सरकार हैं और डबल इंजन की सरकार में इस काम को हर हाल में पूरा किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि देसूरी की नाल अरावली पर्वतमाला के बीच से गुजरती है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ खतरनाक ढलानों और तीखे मोड़ों के कारण कुख्यात है। इस 10 किलोमीटर लंबे मार्ग पर पिछले दो दशकों में कई बड़े हादसे हो चुके हैं। साल 2007 में यहां सबसे बड़ा सड़क हादसा हुआ जिसमें लगभग 90 व्यक्तियों की जान गई थी। हाल में गत आठ दिसंबर को एक स्कूल बस के पलटने से यहां तीन बच्चों की मृत्यु हुई। यह मार्ग 15 खतरनाक मोड़ों और पांच संकरी पुलियों के चलते बेहद जोखिम भरा है। उपमुख्यमंत्री के दौरे के बाद क्षेत्र में नई आस जगी है और लोगों को उम्मीद है कि देसूरी की नाल का जल्द सुधार होगा।

पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा सहित 12 के खिलाफ मामला दर्ज : धमकी, तोड़फोड़ और लूट का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनूं। उदयपुरवाटी के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा सहित 12 लोगों के खिलाफ लीजधारक श्याम सिंह कटेवा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि 6 दिसंबर को गुढ़ा की अगुवाई में एक बड़ी भीड़ ने खनन क्षेत्र में घुसकर तोड़फोड़ की, जान से मारने की धमकी दी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

लीजधारक श्याम सिंह कटेवा ने कोतवाली थाने में दी गई रिपोर्ट में बताया कि 6 दिसंबर को पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के नेतृत्व में इब्राहिम, इम्तियाज़ तगाला, खादिम तगाला, असलम मिर्जा, अकरम चेजारा, यूनुस मास्टर, डॉ. जावेद, आजम राठौड़, आमीन मास्टर, सोनू बुहाना, इकबाल जाजोदिया सहित 500 से 1000 लोगों की भीड़ खनन क्षेत्र काना पीर पहाड़ी में पहुंची। कटेवा के अनुसार, भीड़ ने जबरन खदान के गेट को तोड़ दिया, दीवार और तारबंदी को नुकसान पहुंचाया और उनके कार्यालय में घुसकर 36,000 रुपए की लूट की। आरोप है कि कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई और डीजल के ड्रम को आग लगाने की कोशिश की गई। उन्होंने दावा किया कि इस दौरान गुढ़ा ने भीड़ को उकसाया और भड़काऊ भाषण दिए। पूर्व मंत्री गुढ़ा का पक्ष : राजेन्द्र गुढ़ा ने सभी आरोपों को झूठा बताया। उनका कहना है कि हमने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था। खनन क्षेत्र में हैवी ब्लास्टिंग से आसपास के लोग परेशान हैं। प्रशासन पहले से मौजूद था।

किसी तरह की तोड़फोड़ या हिंसा नहीं हुई। दबाव बनाने के लिए 10 दिन बाद मामला दर्ज कराया गया है। गुढ़ा ने लीजधारक पर स्थानीय लोगों को परेशान करने और कोर्ट के आदेशों की अनदेखी का आरोप लगाया। कोतवाली थानाधिकारी पवन चौबे ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच सब इंस्पेक्टर सुरेश रोलन को सौंपी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान के मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित तमाम नेताओं ने रविवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके जन्मदिन की बधाई दी। शर्मा ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहला साल भी रविवार को ही पूरा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने शर्मा को जन्मदिन की बधाई देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, भाजपा के कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ नेता एवं राजस्थान के लोकप्रिय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। जमीनी स्तर पर कार्य करने का उनका लंबा अनुभव राज्य के चहुंमुखी विकास में बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। ईश्वर से उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना। शर्मा ने शुभकामनाओं के लिए मोदी का आभार जताते हुए पोस्ट कर कहा, आपकी आत्मीय एवं स्नेहिल शुभकामनाओं के लिए हृदयतल से आभार आदरणीय प्रधानमंत्री जी! आपके दूरदर्शी नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन का ही सुपरिणाम है कि 'नया राजस्थान' आज देश में सेवा, सुरक्षा, सुशासन एवं समग्र विकास का अग्रणी मॉडल बन गया है।

भजनलाल ने पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना का किया शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि बंशीवाले गिरिराज जी महाराज के आशीर्वाद से हम विकसित राजस्थान के सपने को शत प्रतिशत पूरा करेंगे और प्रदेश समृद्धि की राह पर निरंतर अग्रसर होगा। शर्मा ने रविवार को डीग में पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना का शिलान्यास किया और इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पूंछरी का लौठा और गोवर्धन परिक्रमा का विकास कार्य इस पावन धाम की आध्यात्मिक खूबसूरती में इजाफा करते हुए श्रद्धालुओं को सुविधाएं प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में एक तरफ हमारे तीर्थों का विकास हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण भी हो रहा है। हम प्रदेश में सड़कों और नए एक्सप्रेस-वे का जाल बिछाने के अपने संकल्प पर निरंतर काम कर रहे हैं जिसका फायदा श्रद्धालुओं को भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिराज जी की परिक्रमा करने के लिए यहां देश-विदेश से हर साल करीब दो करोड़ श्रद्धालु आते हैं। आज 21 किलोमीटर की यह परिक्रमा बहुत से भारतीय परिवारों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। नंगे पैर या दंडवत परिक्रमा करते श्रद्धालु, छप्पन भोग के प्रसाद से सजी झांकियां त्योहार का माहौल बनाती हैं। उन्होंने कहा कि यह विकास परियोजना हमारे इस पावन धाम की आध्यात्मिक खूबसूरती में इजाफा करेगी। इसी तरह प्रदेश के जन-जन के आशीर्वाद से हम आध्यात्मिक विकास के सभी पावन कार्यों को पूर्ण करने का कार्य करेंगे।

शर्मा ने कहा कि गिरिराज जी की परिक्रमा में 1.2 किलोमीटर का राजस्थान में पड़ने वाला हिस्सा परिक्रमा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें श्रीनाथजी, पूंछरी का लौठा आदि प्रमुख मंदिर और अप्सरा एवं नवल कुंड जैसे कई पवित्र स्थल हैं। उन्होंने कहा कि पूंछरी में शीघ्र ही पूरे देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि गिरिराज जी परिक्रमा पथ के विकास को चार जोन में बांटकर विकसित करने की योजना बनाई है। आज पहले जोन का शिलान्यास हुआ है जिसमें श्रीनाथ जी मंदिर, पूंछरी का लौठा मंदिर, दाऊजी का मंदिर, गंगा मंदिर, नरसिंह जी मंदिर, मुखारबिंद, अप्सरा कुंड एवं नवल कुंड, फाउंटेन, राधा वाटिका, बोटेनिकल गार्डन, लोटस पॉन्ड, मयूर वाटिका, विष्णु अवतार गार्डन का विकास करवाया जाएगा। इसके बाद दूसरे जोन में भव्य प्रवेश एवं निकास द्वार, मार्ग का सौंदर्यीकरण, रोशनी, विश्राम मंडप, पेयजल सुविधाओं, फूड जॉइंट एवं स्टॉल, भगवान कृष्ण से संबंधित मूर्तियां, गैलरियों का निर्माण जैसे कार्य कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिक्रमा पथ के तीसरे जोन में परिक्रमा मार्ग के बाहर एंट्री प्लाजा, ग्रीन कैनाल वाटरफ्रंट, पार्किंग, गोठ स्थल, भजन एवं कीर्तन स्थल, पौराणिक आर्ट गैलरी, गिरिराज जी म्यूजियम, सांस्कृतिक केंद्र, आध्यात्मिक केंद्र, आर्ट विलेज आदि का विकास किया जाएगा। वहीं, चौथे जोन में बनने वाली 250 फुट ऊंची मूर्ति श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होगी। इस जोन में आश्रम गांव, मेडिटेशन हॉल, गौशालाओं, राजस्थानी हैंडीक्राफ्ट बाजार आदि का विकास किया जाएगा। शर्मा ने इस परियोजना में वित्त पोषण और अटूट समर्थन के लिए वेदांता समूह को धन्यवाद दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

शर्मा ने कहा कि पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना का कार्य सांस्कृतिक जागरण में अद्भुत क्षण है। इसी साल 22 जनवरी को देश ने अयोध्या में 500 साल का इंतजार पूरे होते देखा है।

मरीजों के फोटो और फिंगर प्रिंट की अनिवार्यता पर भड़के टीकाराम जूली, सरकार के फैसले को बताया अमानवीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरजीएचएस के अंतर्गत मरीजों के लाइव फोटो और फिंगर प्रिंट की अनिवार्यता की नई व्यवस्था का आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि खामियों से भरा यह आदेश अव्यवहारिक ही नहीं बल्कि अमानवीय भी है। इस नये आदेश से प्रदेश के बुजुर्ग, पेंशनर और असाध्य रोगी परेशान हो रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार का प्रदेश की जनता के दु:ख-दर्द से कोई सरोकार नहीं है। जूली ने कहा कि आरजीएचएस से जुड़े अस्पतालों में एक दिसंबर से लागू इस नयी व्यवस्था से बुजुर्ग मरीजों की परेशानियां बढ़ी हैं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि बहुत अफसोस की बात है कि राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर दोनों को ग्राउंड रियल्टी की रत्ती भर भी जानकारी नहीं है। इसलिए राज्य सरकार ने इतना असंगत निर्णय लेकर प्रदेश की जनता की तकलीफ बढ़ाने का काम किया है।

इससे ओपीडी से लेकर इनडोर तक सभी जगह मरीजों की परेशानी में इजाफा हुआ है। चार दिन में ही ऐसे मामले सामने आ रहे हैं कि लाइव फोटो का इंप्रेशन पर्ची पर साफ नहीं आ रहा है और इससे मरीजों को पुनः लाइन में लगना पड़ रहा है। इसके अलावा इस नयी व्यवस्था की कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन सरकार ने बिना विचार किये यह व्यवस्था लागू की है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार पिछले एक साल से ऐसे मनमाने फैसले ले रही है। जिनसे आम जनता की परेशानियां निरंतर बढ़ती जा रही हैं। अब आरजीएचएस के अंतर्गत राज्य सरकार ने इलाज के लिए रोगी के फोटो और फिंगर प्रिंट की अनिवार्यता लागू की है। उन्होंने कहा कि इस योजना में रोड़े डालने का कोई अवसर राज्य की भाजपा सरकार नहीं चूकती, क्योंकि यह कांग्रेस शासन में शुरू हुई थी। आरजीएचएस में व्यवधान डालने के लिए सरकार अब यह नया हथकंडा लेकर आयी है। जूली ने सवाल किया कि आरजीएचएस से जुड़े हुए क्या सभी अस्पतालों में इसकी माकूल व्यवस्था है? उन्होंने कहा कि डायलिसिस कराने के लिए जोधपुर के मरीज की फोटो अप्रूवल के लिए जयपुर भेजी जा रही है और कई घंटे बाद जयपुर से अप्रूवल मिल पा रहा है। ऐसी खबरें विचलित करने वाली हैं।

सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के सोमवार से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र को लेकर रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी दलों से सहयोग मांगा और कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है।

उत्तर प्रदेश में सोमवार से शीतकालीन सत्र की कार्यवाही शुरू होगी। दोनों सदनों -- विधानसभा और विधान परिषद का सत्र 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक प्रस्तावित है जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-2025 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों का प्रस्तुतीकरण हो सकता है।

रविवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र से पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के

नेताओं के साथ बैठक की।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की मौजूदगी में हुई बैठक में आदित्यनाथ ने कहा, सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है। हम सभी जनप्रतिनिधि हैं, हमें जनता के मुद्दों, उनकी समस्याओं को लेकर सदन में सुचारू रूप से चर्चा करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष ने सदन के कुशल संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग मांगा।

आदित्यनाथ ने सर्वदलीय बैठक में कहा, सदन सार्थक चर्चा का माध्यम होता है। इससे ही प्रदेश के विकास कार्यों को रफ्तार मिलती है। साथ ही समस्याओं का समाधान होता है। सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो, सभी को इसका ध्यान रखना चाहिये।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन को ज्यादा से ज्यादा समय तक संचालित किया जाए, इसके लिए सभी का सहयोग जरूरी है। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान देने के लिए सभी दलों के नेताओं को भी प्रयास करने चाहिए।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में भारत अग्रणी: भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को कहा कि भारत अपने लक्ष्यों को प्राप्त करके जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और इस क्षेत्र में वैश्विक सहयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय पहल की अगुआई कर रहा है।

''भविष्य की धरती, जलवायु अनुकूल कदमों में लोगों की भागीदारी'' संबंधी विषय पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''मिशन लाइफ'' और ''एक पेड़ मां के नाम'' जैसी पहल के माध्यम से लोगों की भागीदारी को भारत की जलवायु कार्रवाई का सार बना दिया है।

मंत्री ने 'एक्स' पर कहा, इस बात पर भी विस्तार से बताया गया कि किस प्रकार भारत जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई में अग्रणी है। भारत अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है तथा इस क्षेत्र में वैश्विक सहयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय पहल का नेतृत्व कर रहा है।

मोदी ने संसाधनों के समुचित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ग्लासगो में आयोजित सीओपी 26 में 'मिशन लाइफ' की और इस वर्ष पांच जून को ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान की शुरुआत की, जिसमें लोगों से बढ़ते तापमान, मरुस्थलीकरण और जैव विविधता की चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का आह्वान किया गया।

संभल में 46 वर्ष बाद खुले मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग कराई जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। संभल में अतिक्रमण और बिजली चोरी के खिलाफ जारी अभियान के बीच जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने रविवार को कहा कि करीब 46 साल बाद खोले गए मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पत्र लिखा गया है।

पेंसीया ने पत्रकारों को बताया, यह कार्तिक महादेव का मंदिर है और यहां एक कूप (कुआं) मिला है जो अमृत कूप है। मंदिर में पूजा भी शुरू हो गई है। यहां पर अब भी अतिक्रमण है.. कल कुछ अतिक्रमण हटाया गया और बचा हुआ अतिक्रमण भी हम हटाएंगे। हमने मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग के लिए एएसआई को पत्र लिखा है।

इस बीच, पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि मंदिर की सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी से कवर किया गया है और यहीं पर कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है जिससे यहां चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे और कोई अराजक तत्व यहां ना आ सके।

वहीं जिलाधिकारी ने कहा, बिजली चोरी के मामले में 49 प्राथमिकियां दर्ज हो चुकी हैं और कुछ प्राथमिकी आज दर्ज हो रही है। जो लोग गलियों में अवैध रूप से व्यापार कर रहे हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, हमने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रखने का निर्णय किया है। नालियों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए हमने मुनादी के जरिए लोगों को सूचना दे दी थी। इसके लिए हमने छह टीमें बनाई हैं जिसमें छह बुलडोजर होंगे। वहीं स्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए हम नोटिस देंगे और उसके बाद अतिक्रमण ध्वस्त करेंगे। हमने एक दो तालाबों का भी सर्वेक्षण कराया है। वहां से भी अतिक्रमण हटाकर उन्हें सुरक्षित किया जाएगा।

विहिप कार्यक्रम में टिप्पणी : उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के समक्ष पेश हो सकते हैं न्यायमूर्ति शेखर यादव

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक समारोह में कथित तौर पर विवादास्पद बयान देने वाले न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव इस विवाद पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए जल्द ही उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के समक्ष पेश हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर को बयानों से जुड़ी खबरों का संज्ञान लेते हुए पूरे मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से एक रिपोर्ट तलब की थी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव द्वारा दिए गए भाषण को लेकर समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लिया है। इस बारे में विवरण और ब्योरा उच्च न्यायालय से तलब किया गया है और यह मामला विचाराधीन है।

स्थापित प्रथाओं के अनुसार, जिस न्यायाधीश के खिलाफ किसी विवादास्पद मुद्दे पर शीर्ष अदालत कॉलेजियम द्वारा संबंधित उच्च न्यायालय से रिपोर्ट मांगी जाती है, उसे भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के नेतृत्व वाले उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के समक्ष अपना पक्ष रखने का एक अवसर दिया जाता है।

उद्योग अनुकूल नीतियों की वजह से आज बड़ी-बड़ी कंपनियों से निवेश आकर्षित कर रहा है बिहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार को कभी उद्योगों के कम अनुकूल माना जाता था। हालांकि, अब हालात बदल चुके हैं। आज राज्य अपने विशाल संसाधनों तथा प्रगतिशील नीति को साथ मिलाकर अदाणी समूह से लेकर कोका-कोला जैसी कंपनियों से बड़ा निवेश हासिल कर रहा है।

बिहार के उद्योग और पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा प्रशासन के प्रति अपने सीईओ-शैली के दृष्टिकोण के साथ बिहार को एक ऐसे राज्य में बदल रहे हैं जो पूर्वी भारत में निवेशकों के लिए प्रवेश द्वार बन सकता है। मिश्रा कहते हैं कि बिहार की औद्योगिक क्षमताओं के बारे में पूर्वाग्रह धीरे-धीरे दूर हो रहा है।

हाल में अदाणी समूह ने राज्य में 8,700 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है। अंबुजा सीमेंट्स 1,200 करोड़ रुपए की इकाई स्थापित कर

रही है, और कोका-कोला अपनी बॉटलिंग क्षमता का विस्तार कर रही है।

पिछले साल राज्य की निवेशक बैठक 'बिहार बिजनेस कनेक्ट-2023' में 300 कंपनियों के साथ 50,000 करोड़ रुपए से अधिक के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। ...और इस सप्ताह होने वाले दूसरे संस्करण में और अधिक निवेश आने की उम्मीद है। मिश्रा कहते हैं कि बिहार में औद्योगिक संभावनाएं असीम हैं। 'बिहार धारणा का शिकार रहा है। लेकिन अब इसमें बदलाव आ रहा है।

राज्य निवेशकों को ब्याज छूट से लेकर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की वापसी, स्टाम्प शुल्क माफी, निर्यात सब्सिडी और परिवहन, बिजली और भूमि शुल्क के लिए रियायतों तक के वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करता है। साथ ही, यह न केवल स्वीकृति के समय बल्कि प्रोत्साहनों के वितरण में भी एकल खिड़की मंजूरी प्रदान करता है।

इसके साथ ही संसाधनों की उपलब्धता, सस्ते श्रम और विशाल बाजार को मिलाकर बिहार औद्योगिक विकास के लिए एक शक्तिशाली मिश्रण है। मिश्रा कहते हैं कि 1948 की मालभाड़ा समानीकरण नीति ने खनिज समृद्ध बिहार में औद्योगीकरण को हतोत्साहित किया। यह नीति पूरे भारत में इस्पात जैसे तैयार उत्पादों के लिए एक समान मूल्य निर्धारण को अनिवार्य बनाती है। उन्होंने कहा, बिहार खोए हुए अवसर की भरपाई कर रहा है। नई नीतियों और बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर खर्च के साथ - चाहे वे सड़कें और राजमार्ग हों या बिजली संयंत्र - और ''मानव संसाधन की प्रचुरता, मुझे लगता है कि अब हमारे लिए आगे बढ़ने का समय आ गया है।

विवादास्पद चुनावों में बृजिंदर सिंह को निर्विरोध आईजीयू अध्यक्ष चुना गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बृजिंदर सिंह को रविवार को यहां वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान लगातार दूसरी बार भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) का अध्यक्ष चुना गया। साल 2024 से 2026 के कार्यकाल के लिए आईजीयू पदाधिकारियों और संचालन परिषद के चुनाव निर्विरोध हुए क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या उपलब्ध पदों के बराबरी थी।

सिंह अध्यक्ष पद के लिए अकेले उम्मीदवार थे, जबकि एस के शर्मा और संजीव रतन क्रमशः

सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने गए। संचालन समिति के लिए चुने गये नौ सदस्यों में फरजान आर हीरजी (झारखंड), हरपुनीत सिंह संधू (चंडीगढ़), हरीश कुमार (उत्तराखंड), नागेश सिंह (असम), डॉ परम नवदीप सिंह (राजस्थान), समीर सिन्हा (गुजरात), शशांक संदू (महाराष्ट्र), सिमरजीत सिंह (उत्तर प्रदेश), और वीरेन सिंह घुम्मन (पंजाब) है। बृजिंदर सिंह ने कहा, नई टीम का मुख्य फोकस पिछले कुछ वर्षों में किए गए अच्छे काम को जारी रखना है। अधिकांश सदस्य पछली संचालन समिति का हिस्सा रहे हैं और अनुभवी गोल्फर हैं। हम अपने विकास पथ को लेकर स्पष्ट हैं और उस दिशा में काम करना जारी रखेंगे।

'इंडिया हैबिटेट सेंटर' में आयोजित चुनाव न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रामेश्वर सिंह मलिक की देखरेख में आयोजित किया गया था। न्यायमूर्ति मलिक को दिल्ली उच्च न्यायालय ने चुनाव अधिकारी (आरओ) के रूप में चुनाव की निगरानी करने की अनुमति दी है।

चाहते हैं कि राज्यसभा में संविधान पर चर्चा हो, अगर भाजपा व्यवधान न डाले : डेरेक ओ ब्रायन

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा संसदीय दल के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी चाहती है कि सदन की कार्यवाही चले और संविधान पर बहस हो, अगर भाजपा संसद की कार्यवाही बाधित न करे तो। पिछले सप्ताह उच्च सदन में कई बार कार्यवाही स्थगित होने और विपक्ष, सत्ता पक्ष व सभापति के बीच तीखी नोकझोंक के बाद व्यवधान के लिए सत्तारूढ़ भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हुए तृणमूल नेता ने कहा कि वे चाहता है कि जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो। अदाणी विवाद, सोरोस मुद्दे और अविश्वास नोटिस पर कई बार स्थगन के कारण पिछले सप्ताह सदन की कार्यवाही बाधित हुई थी। सोमवार को सदन में होने वाली चर्चा के बारे में पूछे जाने पर ओ'ब्रायन ने कहा, हम चाहते हैं कि संसद की कार्यवाही चले, हम लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दे उठाना चाहते हैं। ओ'ब्रायन ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, अगर भाजपा फिर से संसद की कार्यवाही बाधित न करे तो हम संविधान पर चर्चा करके उन्हें बेनकाब करेंगे। राज्यसभा में तृणमूल के 12 सदस्य हैं। हालांकि, आर जी कर विरोध प्रदर्शन के दौरान पार्टी की आलोचना करने के कारण सांसद सुखेंदु शेखर रॉय को दरकिनार कर दिया गया है। राज्यसभा में 16 और 17 दिसंबर को इस पर चर्चा होगी और प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को जवाब देंगे।

बुलंदशहर में सब्जियों पर थूकने का वीडियो सामने आने के बाद सब्जी विक्रेता गिरफ्तार

बुलंदशहर (उप्र)/भाषा। बुलंदशहर जिले की अनूपशहर पुलिस ने थाना क्षेत्र के एक सब्जी विक्रेता का कथित तौर पर सब्जियों पर थूकने का वीडियो सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हुए एक वीडियो में यह देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति सब्जी की दुकान पर बैठा हुआ है और सब्जियों पर थूक रहा है। मामले की जांच में सब्जी विक्रेता की पहचान थाना अनूपशहर क्षेत्र अंतर्गत नई बस्ती निवासी शमीम के रूप में हुई है। उसकी सब्जी मंडी में दुकान है। अनूपशहर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया कि 14 दिसंबर को एक वीडियो अनूपशहर पुलिस के संज्ञान में आया, जिसमें एक दुकानदार जिसकी मंडी में सब्जी की आढ़त है, वो बार बार थूक कर सब्जी को दूषित कर रहा है। सीओ ने बताया कि उक्त वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने आरोपी शमीम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

असम सरकार ने नए राशन कार्ड का वितरण शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के 49 नव परिसीमित विधानसभा क्षेत्रों में पहले चरण के तहत नये राशन कार्ड रविवार को वितरित किए गए। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी से नए राशन कार्ड के वितरण की शुरुआत की। उन्होंने समावेशी समाज के लिए काम करने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 49 नव परिसीमित विधानसभा क्षेत्रों में नए राशन कार्ड वितरण के पहले चरण का उद्घाटन किया और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसमें कहा गया कि दिसंबर तक प्रत्येक लाभार्थी को पांच किलोग्राम मुफ्त चावल मिलेगा, जिससे जरूरतमंद लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सभी के समर्थन और सहयोग से सभी के लिए समृद्ध और समावेशी समाज बनाने के सरकार के प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारी सरकार अंत्योदय के सिद्धांतों से प्रेरित है जहां गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की जरूरतों को पूरा करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने व्हीलचेयर पर बैठे एक लाभार्थी के राशन कार्ड प्राप्त करते एक तस्वीर साझा की और लिखा, करिश्मा कश्यप उन 40 दिव्यांग भाई-बहनों में से हैं, जिन्हें आज राशन कार्ड दिए गए हैं, जिसमें उन्हें मुफ्त स्वास्थ्य सेवा और खाद्यान्नों की आपूर्ति करने का आश्वासन दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राशन कार्ड का वितरण सरकार की 'विकास के 12 दिन' पहल का हिस्सा है, जिससे 12 लाख लोगों को लाभ मिलेगा।

असम के एक सांसद का अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से संबंध : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य के एक सांसद का अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से संबंध है। हिमंत का यह बयान भाजपा द्वारा कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व पर देश को अस्थिर करने के लिए हंगरी मूल के अमेरिकी निवेशक के साथ मिलीभगत होने का आरोप लगाये जाने के बीच आया है। हालांकि, हिमंत ने उक्त सांसद का नाम या उनकी पार्टी का उल्लेख नहीं किया।

एक कार्यक्रम के दौरान, कांग्रेस-सोरोस मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर हिमंत ने संवाददाताओं से कहा, असम के एक सांसद के भी जॉर्ज सोरोस से संबंध हैं। मैं इस विवाद में नहीं पड़ना चाहता।

यह पूछे जाने पर कि क्या उक्त सांसद ने अमेरिकी निवेशक की वित्तीय मदद से चुनाव जीता था, मुख्यमंत्री ने कहा, मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता क्योंकि मेरे पास कोई सबूत नहीं है। वैसे भी मुझे इस मामले में ज्यादा दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि पत्रकार स्वयं सोरोस और उक्त सांसद के बीच संबंधों का पता लगा सकते हैं।

शनिवार को लोकसभा में दिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण पर हिमंत ने कहा, (नरेन्द्र) मोदी जी ने कांग्रेस को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया...मोदी जी ने उन्हें आईना दिखाया...।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर तत्काल रोक लगानी चाहिए: सपा सांसद सुमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामजीलाल सुमन ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ जारी सांप्रदायिक हिंसा को तत्काल रोका जाना चाहिए।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव सुमन ने कहा कि इस समस्या का एकमात्र समाधान 1950 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान के बीच अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर हुआ वह समझौता है जिसमें दोनों देशों की सरकारों ने अपने-अपने देशों के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का वादा किया था।

उन्होंने कहा कि इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों में शांति और आपसी सौहार्द सुनिश्चित करना था।

उन्होंने समाजवादी पार्टी को अल्पसंख्यकों के हितों की प्रबल पक्षधर बताते हुए कहा कि पिछले सप्ताह बांग्लादेश की सरकार ने भी कबूल किया कि गत अगस्त माह में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसा की पुष्टि हुई है।

ओडिशा: जंगली हाथी ने दो बहनों को सोते में कुचलकर मार डाला

राउरकेला/भाषा। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में रविवार को एक जंगली हाथी ने एक घर पर हमला कर दो बहनों को कुचलकर मार डाला।

अधिकारियों ने बताया कि घटना बोनाई वन प्रभाग के तमाडा रेंज के कांटापल्ली गांव में हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान सामिया मुंडा (12) और उसकी बहन चांदनी मुंडा (3) के रूप में हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि बच्चियां सो रही थीं तभी हाथी ने उनके कच्चे घर पर हमला करके उसका एक हिस्सा गिरा दिया। उन्होंने कहा कि जब घर के लोगों ने हाथी को देखा तो वे अपनी जान बचाने के लिए बाहर भाग गए जबकि सो रही लड़कियां वहीं रह गईं। अधिकारियों ने बताया कि हाथी ने लड़कियों को कुचलकर मार डाला।

आकाश दीप में निश्चित रूप से कुछ कौशल है : स्टीव स्मिथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिसबेन/भाषा। भारत के तेज गेंदबाज आकाश दीप भले ही तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन यहां विकेट लेने में नाकाम रहे हों लेकिन गेंद से बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें पैदा करने की उनकी क्षमता की ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने तारीफ की।

स्मिथ ने रविवार को अपना 33वां टेस्ट शतक बनाया और चौथे विकेट के लिए ट्रेविस हेड (152) के साथ 241 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने जसप्रीत बुमराह (5/72) के चुनौतीपूर्ण स्पैल और आकाश दीप की धारदार गेंदबाजी के खिलाफ

संघर्ष भी किया। स्मिथ ने गाबा में दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि आकाश ने काफी अच्छी गेंदबाजी की, विशेषकर पहले स्पैल में। वह काफी मूवमेंट के साथ गेंद को घुमा रहे थे। उन्होंने वास्तव में अच्छी लेंथ से गेंदबाजी की। वह एक अच्छे गेंदबाज हैं। यह पहली बार था जब मैंने उनका सामना किया। निश्चित रूप से उनमें कुछ कौशल है। स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर सात विकेट पर 405 रन था। एलेक्स कैरी 47 गेंद में 45 रन बनाकर खेल रहे हैं।

स्मिथ ने कहा, जब दूसरी नई गेंद आई तो जसप्रीत आया और उसने वह किया जो हम जानते हैं कि जसप्रीत कर सकता है। वहां दो विकेट खोना दुर्भाग्यपूर्ण था। लेकिन हम इस समय काफी मजबूत स्थिति में हैं। स्मिथ ने 101 रन की पारी खेलकर 18 महीने के शतक के सूखे को समाप्त किया। उन्होंने हेड के साथ मैदान पर अपनी बातचीत के बारे में भी बात की जिन्होंने 160 गेंद में 152 रन बनाए। उन्होंने कहा, ट्रेविस की बल्लेबाजी देखने के लिए मेरे पास एक शानदार सीट थी। ट्रेविस लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। जिस तरह से वह शुरू से ही गेंदबाजों पर दबाव बनाने में सक्षम था, वह अविश्वसनीय है।

भारत को 50-80 ओवरों के बीच पुरानी गेंद से बेहतर प्रदर्शन करना होगा : गेंदबाजी कोच मोर्कल

ब्रिसबेन/भाषा। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने रविवार को स्वीकार किया कि भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई शतक बनाने वाले ट्रेविस हेड के खिलाफ योजनाओं को लागू करने में विफल रहे और उन्होंने उन्हें 50 से 80 ओवरों के बीच पुरानी गेंद से अपने खेल को सुधारने की बात कही। हेड और साथी शतकवीर स्टीव स्मिथ ने मेजबान टीम को तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन तीसरे सत्र में 31 ओवरों में 171 रन बनाने में मदद की। ऑस्ट्रेलिया ने स्टंप तक सात विकेट पर 405 रन का स्कोर बनाया। मोर्कल ने दिन के बाद कहा, हम कह सकते हैं कि वह (हेड) काफी अच्छी फॉर्म में हैं। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप 50 से 80 ओवरों तक देखें तो गेंद के साथ हम पिछले मैच में भी पिछड़ गए। हमने थोड़े बहुत रन लुटाए। इसलिए मुझे लगता है कि हमें इस विभाग में बेहतर होने की जरूरत है। सुबह के सत्र में तीन विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज लय बरकरार नहीं रख सके। आज सुबह हमने 70 रन देकर तीन विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन दो विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का कुछ नहीं कर सके।

सोनम और कामिलिनी ने अंडर-19 महिला टी20 एशिया कप में भारत को पाकिस्तान पर जीत दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/भाषा। भारत ने स्पिनर सोनम यादव के चार विकेट और जी कामिलिनी की उम्दा बल्लेबाजी से अंडर-19 महिला टी20 एशिया कप के ग्रुप ए मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को नौ विकेट से हरा दिया। बाएं हाथ की 17 वर्षीय स्पिनर सोनम ने छह रन पर चार विकेट लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 20 ओवर में सिर्फ सात विकेट पर 67 रन पर रोक दिया।

भारत ने इसके जवाब में कामिलिनी की 29 गेंद में 44 रन की नाबाद पारी की बदौलत 7.5 ओवर में एक विकेट पर 68 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे पाकिस्तान की केवल दो खिलाड़ी सलामी बल्लेबाज कोमल खान (24) और फातिमा

खान (11) ही दोहरे अंक तक पहुंची सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय सलामी बल्लेबाज त्रिशा गोंगडी भी खाता खोले बिना पवेलियन लौट गईं जिसके बाद कामिलिनी और सानिका चालके (नाबाद 19) ने दूसरे विकेट के लिए 67 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी। विकेटकीपर बल्लेबाज कामिलिनी ने पाकिस्तानी के कमजोर गेंदबजी आक्रमण को ध्वस्त करते हुए चार चौके और तीन छक्के मारे। सुपर चार चरण के लिए टीमों का फैसला होने से पहले भारत मंगलवार को अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नेपाल से खेलेगा।

सुविचार

ऐसे माहौल में दवा क्या है और दुआ क्या है; जहाँ कातिल ही खुद पूछे कि हुआ क्या है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कितने अतुल सुभाष?

इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले ने देशवासियों को झोकझोर दिया है। उनका वीडियो देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। बहुत मजबूत दिल का व्यक्ति ही उसे पूरा देख सकता है। अतुल बहुत प्रतिभाशाली युवक थे। अगर वे जीवित रहते तो भविष्य में खूब उन्नति करते। उनका वैवाहिक जीवन कड़वाहट भरा रहा, जो मुकदमेबाजी में बदल गया। आखिरकार उन्होंने दुनिया को ही अलविदा कह दिया! यह अत्यंत दु:खद है, दुर्भाग्यपूर्ण है। अत्याचार किसी के साथ भी नहीं होना चाहिए। इस मामले ने दिखा दिया कि भारतीय समाज गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है। अगर सरकार और समाज ने समय रहते समाधान नहीं ढूंढ़ा तो भविष्य में ये समस्याएं और ज्यादा गंभीर हो सकती हैं। आज पश्चिम के कई देशों में विवाह से युवाओं का भरोसा उठ गया है। वहां परिवार टूट रहे हैं। हालांकि उधर इसकी वजह थोड़ी अलग हैं, लेकिन सामाजिक ताना-बाना तो बिखर रहा है। क्या हम भारत में यही चाहते हैं? व्यक्ति, परिवार और समाज से देश बनता है। अगर इनमें ही गड़बड़ पैदा हो गई तो देश का भविष्य क्या होगा? इस धारणा को बदलने की जरूरत है कि 'मर्द को दर्द' नहीं होता। क्यों नहीं होता? क्या वह इन्सान नहीं है? दर्द सिर्फ निर्जीव पदार्थों को नहीं होता। उनके अलावा सबको होता है। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि हमारे देश में महिलाओं पर अत्याचार की कई घटनाएं हुई हैं, हो रही हैं। उन्हें इन्साफ जरूर मिलना चाहिए। इसके साथ हमें दूसरे पहलू को देखना होगा। भारत में पुरुषों पर भी अत्याचार की घटनाएं हो रही हैं। बेशक वे उतनी नहीं हैं, जितनी महिलाओं के साथ होती हैं, लेकिन इस बुनियाद पर यह तो नहीं कहा जा सकता कि पुरुषों पर अत्याचार होता ही नहीं है और उनके अधिकारों के संरक्षण की कोई जरूरत नहीं है!

महिला हो या पुरुष, सबके जीवन और सम्मान की सुरक्षा होनी चाहिए, सबके साथ गरिमापूर्ण व्यवहार होना चाहिए। किसी को सशक्त बनाने का यह मतलब नहीं होना चाहिए कि दूसरे को कमजोर कर दिया जाए। भारत में दहेज मांगने की कुप्रथा रही है। यह किसी-न-किसी रूप में आज भी चल रही है। सत्तर-अस्सी के दशक में तो इसने बहुत विकराल रूप धारण कर लिया था। बाद में फिल्मों, सामाजिक जागरूकता और कानूनी प्रावधानों के कारण दहेजलोभियों की अकड़ ढीली हुई। अब महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति बहुत जागरूक हैं, होनी भी चाहिएं। जब उन्हें दहेज के लिए सताया जाता है तो वे अदालतों में जाती हैं और इन्साफ पाती हैं। वहीं, हम इस हकीकत से इन्कार नहीं कर सकते कि कुछ मामलों में दहेज विरोधी कानून का दुरुपयोग हुआ है। उच्चतम न्यायालय कह चुका है कि 'दहेज उत्पीड़न के मामलों में अदालतों को कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए और पति के सगे-संबंधियों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाना चाहिए।' न्यायालय ने सत्य कहा है कि 'हाल के वर्षों में देशभर में वैवाहिक विवादों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। साथ ही विवाह संस्था के भीतर कलह और तनाव भी बढ़ रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप, आईपीसी की धारा 498ए (पत्नी के खिलाफ पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता) जैसे प्रावधानों का दुरुपयोग करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, ताकि पत्नी द्वारा पति और उसके परिवार के खिलाफ व्यक्तिगत प्रतिशोध को बढ़ावा दिया जा सके।' ऐसी घटनाएं समाज के लिए शुभ नहीं हैं। भविष्य में किसी के साथ वह न हो, जो अतुल सुभाष के साथ हुआ। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर चर्चा होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी महान देशभक्त, लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन कोटि कोटि नमन। आपके प्रखर विचार और पुनीत कार्य सदैव राष्ट्र व समाज की प्रगति एवं उन्नति तथा सेवा के लिए हम सभी को प्रेरित करते रहेंगे!

-वसुंधरा राजे

भाजपा सरकार के कार्यकाल के सफलतम एक वर्ष पूर्ण होने पर माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपके कुशल नेतृत्व में राज्य में प्रगति, समृद्धि और विकास की नई ऊंचाइयों को छूने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

-दीया कुमारी

राज्य सरकार के एक वर्ष के सफल कार्यकाल के पूर्ण होने के अवसर पर आज प्रदेश जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति से जन-जन की सुरक्षा एवं जीवन रक्षा हेतु अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पुलिस पेट्रोलिंग वाहनों तथा लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

कला की कीमत

ऑगस्टे रोडिन जब समस्त यूरोप में अपने समय का सर्वश्रेष्ठ मूर्तिकार माना जाने लगा, तो जार्ज बर्नार्ड शॉ ने उसे अपनी मूर्ति बनाने के लिए कहा। इस काम के लिए शॉ ने एक हजार पौंड देने स्वीकार किये। रोडिन ने कुछ ही दिनों में शॉ की दस-बारह मूर्तियां बनायीं, पर उनमें से कोई भी उन्हें पसंद न आयी। एक दिन शॉ ने पूछा, 'आखिर मेरी मूर्ति कब बनेगी? उसे बनाने में इतना ज्यादा समय लगायेंगे तो आपका गुजारा कैसे होगा?' 'कोई आप जैसा मॉडल मिल जाये तो फिर मुझे समय या पैसों का खयाल नहीं रहता।' रोडिन ने कहा। शॉ हंसकर बोला, 'अगर वाकई मैं इतना अच्छा मॉडल हूं तो आपको मूर्ति बनाने के लिए कीमत लेने के बजाय मुझे कीमत देनी चाहिए।' 'वह आपको अवश्य मिलेगी।' रोडिन ने सहज भाव से कहा। एक दिन आप इस बात पर गर्व करेंगे कि आपके पास रोडिन की बनायी हुई मूर्ति है।'

सामयिक

संसदीय गरिमा पर अविश्वास

प्रियंका 'सौरभ'

मोबाइल : 7015375570

संसद में पीठासीन अधिकारियों की भूमिका तटस्थता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि संसदीय कार्यवाही निष्पक्ष और निष्पक्ष तरीके से संचालित हो। हाल ही में, विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव उठाया, जिसमें उन पर पक्षपात करने का आरोप लगाया गया। यह स्थिति लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता के लिए प्रमुख नेतृत्व भूमिकाओं में निष्पक्षता बनाए रखने के महत्त्व को उजागर करती है। संसदीय कार्यवाही की तटस्थता बनाए रखने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका बहस में निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। पीठासीन अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि सभी सांसदों को, चाहे वे किसी भी पार्टी से सम्बद्ध हों, बहस में भाग लेने के समान अवसर दिए जाएँ। निर्णयों में निष्पक्षता: अध्यक्ष द्वारा किए गए निर्णय पक्षपातपूर्ण झुकाव के बजाय संसदीय प्रक्रियाओं पर आधारित होने चाहिए। अध्यक्ष को सरकार और विपक्ष के बीच संघर्षों में मध्यस्थता करनी चाहिए, शिष्टाचार बनाए रखते हुए रचनात्मक संवाद के लिए जगह बनानी चाहिए। एक तटस्थ पीठासीन अधिकारी संसद की अखंडता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है, लोकतांत्रिक बहस के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देता है। यदि अध्यक्ष को तटस्थ माना जाता है, तो संसदीय प्रणाली में विश्वास मज़बूत होता है, जिससे स्वस्थ लोकतांत्रिक चर्चाओं को बढ़ावा मिलता है, जैसा कि यू.के. जैसे परिपक्व लोकतंत्रों में देखा जाता है। संसदीय संस्था की वैधता की रक्षा के लिए पीठासीन अधिकारी को हमेशा निष्पक्षता का प्रदर्शन करना चाहिए। यदि अध्यक्ष को पक्षपाती माना जाता है, तो इससे संसदीय कार्यवाही में विश्वास कम हो सकता है और विधायी प्रक्रिया में जनता का विश्वास कम हो सकता है। अध्यक्ष के कार्यों में पक्षपात की धारणा के परिणामस्वरूप जनता में यह धारणा बन सकती है कि संसद को एक पार्टी के हितों की सेवा के लिए हेरफेर किया जा रहा है। पक्षपातपूर्ण अध्यक्ष संसद के भीतर राजनीतिक विभाजन को बढ़ा सकता है, जिससे सरकार और विपक्ष के बीच संघर्ष बढ़ सकता है। ऐसे परिदृश्य में, सरकार और विपक्ष अध्यक्ष के निर्णयों को चुनौती देने के लिए चरम रणनीति का सहारा ले सकते हैं, जिससे संसद में अधिक शत्रुतापूर्ण और कम उत्पादक वातावरण बन सकता है। अध्यक्ष में कथित पक्षपात संसद की संस्था को ही कमजोर करता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। यदि अध्यक्ष पक्षपातपूर्ण है, तो संसद के भीतर जवाबदेही के तंत्र विफल हो सकते हैं, जिससे अनियंत्रित कार्यकारी शक्ति की अनुमति मिलती है। यदि अध्यक्ष को किसी एक राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करते हुए देखा जाता है, तो इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राजनीतिक संस्थाओं के प्रति जनता का मोहभंग हो सकता है। पीठासीन अधिकारी की भूमिका के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित करने से निर्णय लेने में निरंतरता और निष्पक्षता बनाए रखने में मदद मिलेगी। यू.के. संसद में, अध्यक्ष एक औपचारिक आचार संहिता का पालन करता है जो तटस्थता सुनिश्चित करता है, पक्षपात पर चिंताओं को दूर करने और संसदीय कार्यवाही में पारदर्शिता को बढ़ावा देने में मदद करता है।

पीठासीन अधिकारियों के लिए लंबे कार्यकाल सुनिश्चित करने से उन्हें अपनी नेतृत्व भूमिकाओं में विश्वास, स्थिरता और तटस्थता बनाने की अनुमति मिल सकती है। जर्मन बुंडेस्टैग अध्यक्ष का निश्चित कार्यकाल दीर्घकालिक नेतृत्व स्थिरता सुनिश्चित करता है, राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान भी पक्षपातपूर्ण निर्णय लेने की धारणा को कम करता है। अध्यक्ष के निर्णयों की समीक्षा करने के लिए स्वतंत्र निरीक्षण तंत्र शुरू करने से अधिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है और पक्षपातपूर्ण कार्रवाइयों को रोका जा सकता है। पीठासीन अधिकारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें संसदीय कार्यवाही की जटिलताओं को निष्पक्ष रूप से संभालने के लिए आवश्यक कौशल से लैस कर सकते हैं। निष्पक्ष निर्णय लेने और संघर्ष समाधान पर केंद्रित नेतृत्व प्रशिक्षण अध्यक्ष को तटस्थता बनाए रखते हुए राजनीतिक दबावों को बेहतर ढंग से नेविगेट करने में मदद कर सकता है। संसदीय समितियों और चर्चाओं में द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देने से निर्णय लेने के लिए अधिक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है। संसदीय समितियों के भीतर अंतर-दलीय संवाद और सहयोग को प्रोत्साहित करने से मतभेदों को दूर करने में मदद मिल सकती है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सरकार और विपक्ष के बीच मध्यस्थता में अध्यक्ष तटस्थ रहें।

संसदीय कार्यवाही की तटस्थता सुनिश्चित करने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए, अध्यक्ष के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना, द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देना और स्पष्ट दिशा-निर्देशों और लंबे कार्यकाल के माध्यम से निष्पक्ष नेतृत्व सुनिश्चित करना आवश्यक है। दरअसल, इसके जरिए विपक्ष कहीं न कहीं संसद के दोनों सदनों में आसन को एक संदेश देना चाह रहा है कि अगर आसन निष्पक्ष नहीं दिखता है तो विपक्ष अपने संवैधानिक अधिकारों को इस्तेमाल करने में नहीं हिचकिचाएगा। पिछले सत्र में लोकसभा स्पीकर को लेकर भी राजनीतिक गलियारे में ऐसी चर्चा थी।

विशेष

16 दिसम्बर : ढाका विजय का दिवस

जवाहर प्रजापति

जेएफआर जैकब के मुताबिक 1971 की लड़ाई में पश्चिमी मोर्चे पर रक्षात्मक, आक्रामक और पूर्वी मोर्चे पर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की बेहद आक्रामक रणनीति बनी थी। बारिश रुकने तक बांग्लादेश पर हमला न करने की बात जनरल जैकब ने कही थी। इस बीच जनरल ने युद्ध की सारी तैयारियां पूरी कर लीं। और जब युद्ध शुरू हुआ तो जनरल जैकब ने खुलना और चटगांव पर हमला बोलने के आदेश को नजर अंदाज करते हुए ढाका पर फोकस करना उचित समझा।

भारतीय सैनिकों की जांबाजी और चतुराई से 16 दिसंबर 1971 को भारत ने पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों को घुटने टेके पर मजबूर कर दिया था। आज हमारा देश ढाका विजय दिवस की 53 वीं सालगार को एक यादगार के रूप में मना रहा है। दुनियां में एकमात्र इस सीधी लड़ाई 1971 में बांग्लादेश की आजादी को लेकर भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच हुई । इस सीधी लड़ाई में भारतीय सेना के नायक जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने पाकिस्तान सेना के प्रमुख जनरल नियाजी ने अपने 93 हजार सैनिकों के साथ आत्म समर्पण किया था।

वर्ष 1969 में सेना प्रमुख सैम हॉरमुसजी फेमजी जमशेदजी मानेकशॉ ने जेएफआर जैकब को पूर्वी कमान प्रमुख बना दिया था। जैकब ने 1971 की लड़ाई में अहम भूमिका निभाते हुए दुश्मनों को रणनीतिक मात दी थी। जैकब के मुताबिक 1971 में पूर्वी पाकिस्तान वर्तमान में बांग्लादेश में युद्ध के बादल मंडरा रहे थे। बेहतर जिन्दगी की तलाश में बांग्लादेश के शरणार्थी लाखों की संख्या में सीमा पार करके देश के पूर्वी हिस्सों में प्रवेश कर रहे थे। पूर्वी पाकिस्तान में लोग इस्लामी कानूनों के लागू होने और उर्दू को बतौर राष्ट्रीय भाषा बनाए जाने का विरोध कर रहे थे। इसलिए हालात ज्यादा खतरनाक हो गए थे। पाकिस्तानी फौज को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने वाले जनरल रिटायर्ड जैकब फर्ज रफेल जेएफआर जैकब के मुताबिक भारत के तीखे हमलों से परेशान होकर पाकिस्तान सेना ने संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में युद्ध विराम की पेशकश की जिसे भारतीय सेना ने अपनी चतुराई और पराक्रम से पाकिस्तान के पूर्वी कमान के 93000 सैनिकों के सरेंडर में बदल दिया।

नियाजी के पास ढाका में ही करीब 30 हजार सैनिक थे जबकि भारतीय सैनिकों की संख्या लगभग हजार रही। जैकब के मुताबिक उसके पास कई हफ्तों तक लड़ाई लड़ने की क्षमता थी। अगर नियाजी ने समर्पण करने की बजाय युद्ध लड़ता तो पोलिश रिजॉल्यूशन जिस पर संयुक्त राष्ट्र में बहस हो रही थी वह लागू हो जाता और बांग्लादेश की आजादी का सपना अधूरा रह जाता। लेकिन वह समर्पण के लिए तैयार हो गया।

मुक्ति वाहिनी को दी मदद

पूर्वी पाकिस्तान से बांग्लादेश बनाने में सबसे अहम भूमिका मुक्ति वाहिनी की रही। मुक्ति वाहिनी ने बांग्लादेश की आजादी के आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भारत में पूर्वी पाकिस्तान से लगातार आ रहे शरणार्थियों की समस्या से निपटने के लिए भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुक्ति वाहिनी को मजबूत करने का निर्णय लिया। इस फैसले के तहत मुक्ति वाहिनी को हथियार दिए गए।

अमेरिका और रूस के कूदने से पहले ही पाक का सरेंडर

इससे पहले कि दो परमाणु ताकत संपन्न राष्ट्र किसी जंग में उलझते पाकिस्तान की पूर्वी विंग ने आत्मसमर्पण कर दिया। इसके साथ ही युद्ध खत्म हो गया और बांग्लादेश का उदय हुआ। हार से तिलमिलाए नियाजी ने कहा जैकब ने मुझे ब्लैकमेल किया हार से तिलमिलाए पाकिस्तान ने कुछ हफ्तों बाद चीफ जस्टिस हमीदुर रहमान को युद्ध जांच आयोग का प्रमुख बनाकर हार की वजह का पता लगाने का काम सौंपा गया। कमीशन ने जनरल नियाजी को तलब कर पूछा कि जब ढाका में उनके पास 26400 जवान थे तब उन्होंने ऐसे शर्मनाक तरीके से क्यों समर्पण किया जबकि वहां पर सिर्फ कुछ हजार ही भारतीय फौज थी। जनरल नियाजी ने जवाब दिया। मुझे ऐसा करने पर मजबूर होना पड़ा।

भारत की रणनीति

जेएफआर जैकब के मुताबिक 1971 की लड़ाई में पश्चिमी मोर्चे पर रक्षात्मक, आक्रामक और पूर्वी मोर्चे पर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की बेहद आक्रामक रणनीति बनी थी। बारिश रुकने तक बांग्लादेश पर हमला न करने की बात जनरल जैकब ने कही थी। इस बीच जनरल ने युद्ध की सारी तैयारियां पूरी कर लीं। और जब युद्ध शुरू हुआ तो जनरल जैकब ने खुलना और चटगांव पर हमला बोलने के आदेश को नजर अंदाज करते हुए ढाका पर फोकस करना उचित समझा। जैकब जब ढाका के पास पहुंचे तो उनके पास तीन हजार जवानों की फौज थी जबकि नियाजी के पास करीब 30 हजार फौजी थे। लेकिन नियाजी जानता था कि बंगाली लोग उसके खिलाफ हैं। नियाजी ने संयुक्त राष्ट्र के नियमों के तहत युद्ध विराम समझौता करने की पेशकश कर दी। 16 दिसंबर को जैकब बिल्कुल निहत्थे हाथों में सिर्फ सरेंडर के कागज लेकर नियाजी के हेडक्वॉर्टर पहुंच गए। सरेंडर के कागज जैकब ने खुद ड्राफ्ट किए थे। लेकिन इस पर आलाकमान से मंजूरी नहीं मिली थी। इस बीच राजधानी में मुक्ति वाहिनी और पाकिस्तानी सेना के बीच युद्ध जारी था। भारत की ओर से पूर्वी कमान का नेतृत्व कर रहे जेएफआर जैकब ने नियाजी से कहा मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि आप अगर जनता के बीच आत्मसमर्पण करना चाहते हैं तो हम आपकी और आपके फौजियों की सुरक्षा की गारंटी लेते हैं। जैकब याद करते हैं नियाजी लगातार बात करता रहा और आखिर में मैंने कहा नियाजी मैं तुम्हें इससे बेहतर डील नहीं दे सकता हूं। मैं तुम्हें 3 मिनट देता हूं। अगर तुम कोई फैसला नहीं कर पाए तो मैं हमले का आदेश दे दूंगा। बाद में नियाजी के दफ्तर से जैकब लौट आए। उस समय की घटना के संबंध में जैकब बताते है कि वे नियाजी के पास दोबारा पहुंचे और उन्होंने मेज पर सरेंडर के कागजात रखे हुए थे। मैंने पूछा जनरल क्या आप इसे मंजूर करते हैं मैंने नियाजी से तीन बार पूछा। लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। इसके बाद पाकिस्तान सेना ने सरेंडर कर दिया। 93000 सैनिकों का सरेंडर 1971 की लड़ाई में पाकिस्तानी सेना भारतीय फौजों के सामने सिर्फ 13 दिन ही टिक सकी। इतिहास की सबसे कम दिनों तक चलने वाली लड़ाइयों में से एक इस लड़ाई के बाद पाकिस्तान के करीब 93 हजार सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। आधुनिक सैन्य काल में इस पैमाने पर किसी फौज के आत्मसमर्पण का यह अपने आप में पहला मामला था।

नजरिया

बांग्लादेश के कट्टरपंथियों को सबक सिखाकर विजय दिवस मनाएं

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

आज हम पाकिस्तान पर विजय के प्रतीक के रूप में विजय दिवस ऐसे समय और माहौल में मना रहे है जब एक बार फिर कट्टरपंथी तत्व अमन और चैन को नेस्तनाबूद करने पर उतारू है। हम बात कर रहे है उस बांग्ला देश की जिसे अन्याय और अत्याचार से मुक्ति दिलाकर भारत ने आज़ादी दिलाई थी। इसी के उपलक्ष्य में हमारे देश में 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य विजय दिवस के महत्व के बारे में लोगों को जानकारी प्रदान करना होता है। यह दिन 1971 में पाकिस्तान पर भारत की निर्णायक जीत का प्रतीक है, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ। भारत ने न केवल बांग्ला देश को अत्याचार से मुक्ति दिलाई अपितु स्वतंत्र रूप से खुली हवा में सांस लेने का अवसर प्रदान किया। तीन दिसंबर 1971 को भारत-पाकिस्तान युद्ध शुरू हुआ जो 13 दिनों तक चला। यह युद्ध 16 दिसंबर को समाप्त हुआ और पाकिस्तान ने भारत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। तेरह दिनों तक चले युद्ध के परिणामस्वरूप पाकिस्तानी सेना ने पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दिया और बांग्लादेश का निर्माण हुआ। पाकिस्तान की सेना ने लगभग 93,000 सैनिकों के साथ भारत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह अब तक की सबसे बड़ी जीत थी और भारत एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में उभरा। इस दिन राष्ट्र के उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। जिन्होंने इस युद्ध में अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। इस दिन बांग्लादेश का जन्म हुआ था।

भारत ने पाकिस्तानी सत्ता और सेना के अत्याचार से पीड़ित पूर्वी पाकिस्तान की जनता को अपना सहयोग देकर बांग्लादेश के रूप में एक नए राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आज एक बार फिर बांग्ला देश में कट्टरपंथी तत्वों ने निर्वाचित सरकार को धराशाही कर लोकतंत्र को समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तान से अपनी पींगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। जिस देश ने उन्हें आज़ादी दिलाई, उसी देश के खिलाफ जहर उगला जा रहा है। अल्पसंख्यक हिन्दुओं और उनके मंदिरों पर हमले शुरू कर दिए है। यह कहा जा सकता है जिस थाली में खाया उसी में छेद कर रहे है। पाकिस्तान और बांग्ला देश में जब भी कोई सियासी घटनाक्रम होता है उस दौरान उपद्रवी कट्टरपंथी तत्व अल्पसंख्यकों पर सबसे पहले हमले शुरू कर देते है। दोनों मुस्लिम देशों में हिंदू आबादी हमेशा निशाने पर रही है। यही वजह है कि वहां साल-दर-साल हिंदुओं की आबादी घटती जा रही है। विशेषकर हिन्दू और हिन्दू मंदिर उनके निशाने पर होते है। हम बात कर रहे है बांग्ला देश के सियासी घटनाक्रम पर जहां प्रधान मंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देकर भागने के बाद देश के अंदर हिंदुओं के ऊपर अत्याचार शुरू हो गया है। बांग्लादेश में जगह-जगह पर हिंदू मंदिरों और हिंदू समुदाय पर हमले की खबरें आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट से पता चलता है कि हिंदुओं के घरों और मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इस्कॉन और काली मंदिर पर हमले हुए हैं, जिसके बाद हिंदुओं को जान बचाने के लिए छिपना पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं को घरों से निकाल कर पीटा जा रहा है। उनकी दुकानों में लूटपाट की जा रही है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर सालों से हमले होते आ रहे हैं। हिंदुओं के मंदिर, घर, दुकानों, पांडाल में तोड़फोड़ और लूटपाट की खबरें सामने आती रही हैं। हिन्दू इलाकों में भयावह चीख पुकार मची है कि उसे सुनने वालों के रोंगटे खड़े हो जाएं। खौफ में जी रहे हिन्दू सवाल पूछ रहे हैं कि वो जाए तो कहां जाएं। कट्टरपंथियों ने हिन्दुओं के घरों में ऐसी तबाही मचाई की पीड़ित परिवार रोते बिलखते दिखे। बांग्लादेश में कई जगहों पर हिन्दुओं के रिहायशी इलाके में भीड़ ने हमला कर दिया, इस दौरान हिन्दुओं की घरों को जला दिया गया और जमकर तोड़फोड़ की गई। जिसके बाद हिन्दू समुदाय वहां अपनी जान की हिफाज़त की गुहार लगाता नज़र आया। बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर और हिंदुओं पर हमले के कई मामले सामने आ चुके हैं। सरकार और प्रशासन हमलावरों के खिलाफ कोई सख्त कार्यवाही अमल में लाने पर नाकारा साबित होते है जिससे हमलावरों के हौसले बुलंद होते है। बांग्लादेश के 1 करोड़ 30 लाख की हिन्दू आबादी बताई जा रही है।

पाकिस्तान और बांग्ला देश दोनों ही इस्लामिक देश है। दोनों ही देशों में कट्टरपंथी ताकतें शासन प्रशासन पर हावी है। इन दोनों इस्लामिक देशों में हिन्दू अल्पसंख्यक है जिन पर आये दिन हमले होते रहते है। हिन्दुओं के धार्मिक स्थलों को भी लगातार निशाना बनाया जाता है। आज़ादी के बाद पाकिस्तान और बांग्ला देश में सैंकड़ों हिन्दू मंदिरों को नेस्तनाबूद कर दिया गया। दोनों ही इस्लामिक देशों में हिंदू संस्कृति संकट में है। हाल यह है कि हिंदुओं को मंदिरों में पूजा करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। इन देशों में अल्पसंख्यक की महिलाओं के साथ रेप, मर्डर जैसी घटनाएँ आए दिन सामने आती रहती हैं। लोग मांग कर रहे है बांग्ला देश के कट्टरपंथियों को सबक सिखाना जरूरी हो गया है तभी वहां हिन्दुओं पर हमले और कत्लेआम ख़त्म होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पदयात्रा

नई दिल्ली के लोधी गार्डन में 'एक भारत, हम भारत' पदयात्रा में हिस्सा लेते हैं लोग।

मादक पदार्थ कैप्टागन क्या है, इसका सीरिया की असद सरकार के पतन से क्या संबंध है?

पर्थ। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद वहां मादक पदार्थ कैप्टागन के बड़े भंडार का खुलासा हुआ है। माना जा रहा है कि सीरियाई विद्रोहियों ने जिस भंडार का पता लगाया है वह अल-असद सैन्य मुख्यालय से जुड़ा हुआ है। जिससे पता चलता है कि इस मादक पदार्थ के निर्माण और वितरण में सीरियाई शासन की संलिप्तता थी। लेकिन जैसा कि हमें पता है कैप्टागन का इस्तेमाल एक समय औषधि के तौर पर ठीक वैसे ही होता था, जैसे 'ध्यान आभाव अतिसक्रियता विकार' (एडीएचडी) जैसी स्थितियों के उपचार के लिए हम कानूनी रूप से उपलब्ध कुछ दवाओं का आज भी करते हैं।

कैप्टागन एक पुराने सिंथेटिक फार्मास्युटिकल उत्प्रेरक का मूल ब्रांड नाम है जिसे 1960 के दशक में जर्मनी में बनाया गया था। यह एम्फ़ैटेमिन और मेथैम्फेटामाइन का एक विकल्प था। उस समय इन दोनों का इस्तेमाल दवा के रूप में किया जाता था। इस दवा में सक्रिय घटक फेनेथिलीन है और शुरुआत में एडीएचडी और नींद की बीमारी नार्कोलेप्सी जैसी स्थितियों के उपचार के लिए इसका इस्तेमाल किया गया। इसका उपयोग कानूनी रूप से उपलब्ध कुछ उत्प्रेरक पदार्थों के समान था, जिनका हम आज भी उपयोग करते हैं जैसे कि डेक्साम्फैटामाइन।

कैप्टागन का प्रभाव एम्फ़ैटेमाइन जैसा ही होता है। यह मस्तिष्क में डोपामाइन को बढ़ाता है, जिससे स्वास्थ्य, आनंद और उल्लास की भावनाएं पैदा होती हैं। यह ध्यान, एकाग्रता और सहनशक्ति में भी सुधार करता है। लेकिन इसके कई अवांछित दुष्प्रभाव भी हैं जैसे कि थोड़ा बहुत मनोविकार।

यह दवा मूल रूप से पश्चिम एशिया और यूरोप के कुछ हिस्सों में बेची जाती थी। यह यूरोप में कुछ समय तक काउंटर पर (बिना डॉक्टर के पर्चे के) उपलब्ध थी, उसके बाद में यह केवल डॉक्टर के पर्चे पर लिखे जाने के बाद ही मिलना प्रारंभ हुई।

अस्सी के दशक में इसे प्रतिबंधित पदार्थ घोषित किया गया लेकिन इससे पहले इसे अमेरिका में केवल कुछ समय के लिए ही बिक्री की मंजूरी दी गई थी। कई यूरोपीय देशों में नार्कोलेप्सी के उपचार के लिए इसका इस्तेमाल वैध था।

फिल्म 'शकुंतला' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म जगत के लोकप्रिय सितारे प्रिंस सिंह राजपूत और प्रतिभाशाली अदाकारा पायस पंडित स्टारर फिल्म शकुंतलाकी शूटिंग पूरी हो गयी है। नाहटा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म शकुंतला के निर्माता हर्षित नाहटा हैं , जबकि निर्देशन की कमान अनुभवी निर्देशक रितेश ठाकुर ने संभाली है।

फिल्म के डीओपी (कैमरामैन) प्रमोद पांडेय हैं।अब फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन जोर शोर से चल रहा है और बहुत जल्द यह फिल्म बड़े पर्दे पर दर्शकों के सामने होगी। फिल्म शकुंतला एक महिला प्रधान कहानी है, जिसमें सामाजिक मुद्दों को दर्शाते हुए मजबूत और प्रेरणादायक संदेश दिया गया है। अभिनेता प्रिंस सिंह राजपूत ने दावा किया की शकुंतला एक ऐसी फिल्म है, जो भोजपुरी सिनेमा की छवि को बदलने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि फिल्म की शूटिंग का अनुभव बेहद शानदार रहा। उम्मीद है कि दर्शकों बेहद पसंद भी आएगी। वहीं, पायस पंडित ने भी फिल्म को अपने करियर की सबसे खास फिल्म बताया है ।

फिल्म शकुंतला में प्रिंस सिंह राजपूत और पायस पंडित के साथ सुशील सिंह, प्रकाश जैस, संजू सोलंकी, स्वीटी सिंह राजपूत, रचना सिंह यादव, और निशांत रूबी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

निर्माता हर्षित नाहटा ने कहा, हमारी पूरी टीम ने इस फिल्म को बेहतरीन बनाने में जी-जान से मेहनत की है। उम्मीद है कि दर्शक इसे बहुत पसंद करेंगे।शकुंतलाजल्द ही सिनेमा हॉल में रिलीज होगी। यह फिल्म न केवल मनोरंजन करेगी, बल्कि भोजपुरी सिनेमा के प्रति लोगों की धारणा को भी बदलने का प्रयास करेगी। दर्शकों के लिए यह फिल्म एक अद्भुत तोहफा साबित हो सकती है।

आपसी बातचीत से सुलझेगा कंगना-जावेद विवाद, कोर्ट ने दी इजाजत

मुंबई/एजेन्सी

जावेद अख्तर और कंगना रनौत के बीच विवाद का पटाक्षेप हो सकता है। कोर्ट ने मध्यस्थता की इजाजत दे दी है। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच बैठक 21 जनवरी 2025 को होगी। इस उम्मीद के साथ कि मध्यस्थता से मामला सफलतापूर्वक सुलझा लिया जाएगा। सांसद कंगना रनौत और जावेद अख्तर ने अदालत से मध्यस्थता की अपील की थी, जिसे कोर्ट ने मान लिया।

गीतकार जावेद अख्तर ने खुद पर लगे झूठे आरोपों को लेकर अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ मानहानि केस किया था। दोनों कलाकारों के बीच शुरू हुए विवाद को लगभग 4 साल बीत चुके हैं। जावेद अख्तर की शिकायत पर अंधेरी मजिस्ट्रेट अदालत में सुनवाई चल रही थी। वहीं, कंगना रनौत के मंडी की सांसद बनने के बाद केस को सांसदों के स्पेशल कोर्ट बांद्रा में ट्रांसफर कर दिया गया था।

अभी मामले को लेकर सुनवाई शुरू भी नहीं हुई थी कि जावेद और कंगना के वकीलों ने बताया कि दोनों के बीच समझौते की बात चल रही है।

इसके बाद मामला 9 दिसंबर को स्पेशल मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। हालांकि, यहां भी बात नहीं बन सकी। वकील ने किसी जज द्वारा मध्यस्थता कराने की बात कही, जिसे मजिस्ट्रेट ने मान लिया। इसे लेकर बैठक दोनों पार्टियों के बीच होगी और उसी दिन मजिस्ट्रेट (21 जनवरी 2025) सुनवाई करेंगे। दरअसल, जावेद अख्तर ने मुंबई की एक अदालत में रनौत के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि साल 2020 को एक टीवी इंटरव्यू के दौरान कंगना ने उनके बारे में झूठे और अपमानजनक बयान दिए थे। अख्तर ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 499 और 500 के तहत मामला दर्ज करवाया था।

मुंबई पुलिस ने मामले को लेकर कंगना को तलब किया था। लेकिन अभिनेत्री पेश नहीं हो सकी थीं। जिसके बाद पुलिस ने जमानती वारंट जारी कर दिया। अभिनेत्री ने मामले को रद्द करने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हालांकि, कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था।

प्रणब को 2012 में प्रधानमंत्री, मनमोहन को राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए था : अय्यर

नई दिल्ली/भाषा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने अपनी नई पुस्तक में कहा है कि 2012 में जब राष्ट्रपति पद रिक्त हुआ था तब प्रणब मुखर्जी को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)-दो सरकार की बागडोर सौंपी जानी चाहिए थी और मनमोहन सिंह को राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए था। अय्यर (83) ने पुस्तक में लिखा है कि यदि उस समय ऐसा किया गया होता तो संप्रग सरकार ''शासन के पंगु बनने'' की स्थिति में नहीं पहुंचती। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में बनाए रखने और प्रणब मुखर्जी को राष्ट्रपति भवन भेजने के निर्णय ने संप्रग के तीसरी बार सरकार गठित करने की संभावनाओं को ''खत्म'' कर दिया। अय्यर ने अपनी पुस्तक 'ए मैवरिक इन पॉलिटिक्स' में ये विचार रखे हैं। इस पुस्तक को 'जगरनॉट' ने प्रकाशित किया है।

पुस्तक में अय्यर ने राजनीति में अपने शुरुआती दिनों, पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के शासनकाल, संप्रग-एक में मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल, राज्यसभा में अपने कार्यकाल और फिर अपनी स्थिति में ''गिरावट...परिदृश्य से बाहर होने...पतन'' का जिक्र किया है।

अय्यर ने लिखा, 2012 में प्रधानमंत्री (मनमोहन सिंह) को कई बार 'कोरोनरी बाइपास सर्जरी' करानी पड़ी। वह शारीरिक रूप से कभी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हो पाए। इससे उनके काम करने की गति धीमी हो गई और इसका असर शासन पर भी पड़ा। जब प्रधानमंत्री का स्वास्थ्य खराब हुआ, लगभग उसी समय (तत्कालीन) कांग्रेस अध्यक्ष (सोनिया गांधी) भी बीमार पड़ी थीं लेकिन पार्टी ने उनके स्वास्थ्य के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की। उन्होंने कहा कि जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि दोनों कार्यालयों - प्रधानमंत्री और पार्टी अध्यक्ष - में गतिहीनता थी, शासन का अभाव था जबकि कई संकटों, विशेषकर अन्ना हजारे के 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' आंदोलन से या तो प्रभावी ढंग से निपटा नहीं गया या फिर उनसे निपटा ही नहीं गया।

कंगना रनौत ने 'फिल्म पुष्पा 2' की सफलता की वजह बताई है

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने फिल्म पुष्पा 2 की सफलता की वजह बताई है। कंगना रनौत ने हाल ही में एजेंडा आजतक 2024 में 'पुष्पा 2' की सक्सेस पर बात की। बता 'पुष्पा 2' के हिंदी वर्जन ने तेलुगू वर्जन से काफी ज्यादा कमाई की है। कंगना का कहना रहा कि अल्लू अर्जुन ने जिस तरह का किरदार अदा किया है वो काफी मुश्किल है लेकिन यदि यही किरदार किसी बॉलीवुड सेलेब को दे दिया जाता तो वो शायद नहीं कर पाता। कंगना ने कहा,'पुष्पा 2' में जो रोल एक्टर ने किया है वो एक मजदूर का किया है।आज हमारी बॉलीवुड में कौन सा हीरो एक मजदूर का रोल निभाना चाहेगा? कोई नहीं।इन लोगों को 6 पैक एब्स, एक हॉट बेब, बीच, बाइक, टशन, आइटम नंबर बस यही सब चाहिए.जैसा कि मैंने कहा कि जब आप एक व्यक्तित्व के लिए संवेदनशील हो जाते हैं तभी आप स तरह के किरदार निभा पाते हैं।अल्लू ने कॉन्फिडेंटली ये रोल अदा किया. वो चप्पल, कपड़े हेयरस्टाइल।अल्लू ने भी अमेरिका में रहकर पढ़ाई की है,वो आउटसाइड से नहीं ते हैं, लेकिन आप कुछ तो रियलिटी चेक रखिए लाइफ में।इस किरदार से खुद को लोगों से जोड़ा है।

इम्तियाज अली के साथ फिर से काम करना चाहती है श्रेया चौधरी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्रेया चौधरी फिल्मकार इम्तियाज अली के साथ फिर से काम करना चाहती है। 'बंदिश बैंडिट्स' सीज़न 2 रिलीज़ हो चुका है, और दर्शकों की निगाहें एक बार फिर इस बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ की प्रमुख अदाकारा श्रेया चौधरी पर टिकी हुई हैं। अपनी बेहतरीन अदाकारी और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए चर्चा में आईं श्रेया ने इस सफलता का श्रेय निर्देशक इम्तियाज़ अली को दिया है। बहुत कम लोग जानते हैं कि श्रेया ने इम्तियाज़ अली की शॉर्ट फिल्म 'द अदर वे' में भी काम किया था। 2020 में रिलीज़ हुए 'बंदिश बैंडिट्स' के पहले सीज़न के साथ ही श्रेया रातों-रात स्टार बन गई थीं।

इम्तियाज़ अली के साथ दोबारा काम करने की ख्वाहिश जाहिर करते हुए श्रेया चौधरी ने कहा,इम्तियाज़ सर ने मुझे यकीन दिलाया कि मैं एक्टिंग को अपना करियर बना सकती हूं। उनके साथ काम करके मुझे ये समझ आया कि बड़े सपने देखना और उन्हें पूरा करने की कोशिश करना मुमकिन है। उनके साथ काम करने का अनुभव मेरे लिए बेहद खास और सीखने लायक था।

मैं बस दुआ कर रही हूं कि एक दिन मैं इम्तियाज़ अली की फिल्म में मुख्य भूमिका निभा सकूं। श्रेया चौधरी, बोमन ईरानी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द मेहता बॉयज़' में भी नजर आएंगी, जिसमें वह अविनाश तिवारी के साथ मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 2025 में रिलीज़ होगी।

फिल्म 'वनवास' में समाज के लिए अहम संदेश : नाना पाटेकर

वाराणसी/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म वनवास सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि समाज के लिए एक अहम संदेश भी है। नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा हाल हीं में फिल्म 'वनवास' के प्रमोशन के सिलसिले में दौरान वाराणसी पहुंचे। दोनों कलाकारों ने फिल्म के विषय, अपने किरदारों और शूटिंग से जुड़े दिलचस्प अनुभवों को साझा किया। नाना पाटेकर ने फिल्म 'वनवास' के बारे में बात करते हुए कहा, यह फिल्म सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि समाज के लिए एक अहम संदेश भी है। यह एक ऐसा अनुभव है, जिसे दर्शक लंबे समय तक याद रखेंगे। वहीं, उत्कर्ष शर्मा ने अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए कहा, इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। मेरी कोशिश रही है कि मैं अपने किरदार के साथ न्याय कर सकूं।

मीडिया से बातचीत के बाद दोनों कलाकारों ने वाराणसी के ऐतिहासिक घाटों का दौरा किया और गंगा आरती में भी भाग लिया। इस दौरान उन्होंने शहर की सांस्कृतिक धरोहर का अनुभव किया और स्थानीय प्रशंसकों के साथ बातचीत की। अनिल शर्मा द्वारा लिखित , निर्मित और निर्देशित फिल्म वनवास को 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा। ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज की जाने वाली इस फिल्म में नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर लीड रोल में नज़र आएंगे।

स्वागत

नागपुर में रविवार को नागपुर पहुंचने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

अभिनेता मुश्ताक खान के अपहरणकर्ताओं ने शक्ति कपूर के अपहरण की भी साजिश रची थी : पुलिस

बिजनौर/मेरठ/भाषा

फिल्म अभिनेता मुश्ताक मोहम्मद खान को दिल्ली हवाई अड्डे से अगवा करने, बिजनौर में बंधक बनाने और फिरौती मांगने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, बदमाश अन्य अभिनेताओं को भी फर्जी कार्यक्रमों में आमंत्रित करने के नाम पर अगवा करने की साजिश रच रहे थे।

बिजनौर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक झा ने बताया कि अभिनेता मुश्ताक मोहम्मद खान के इवेंट मैनेजर शिवम यादव ने नौ दिसंबर को बिजनौर कोतवाली में तहरीर दी थी कि राहुल सैनी ने 15 अक्टूबर को मेरठ में एक कार्यक्रम में मुश्ताक को बुलाने के लिए अग्रिम भुगतान के रूप में 25 हजार रुपए और हवाई जहाज का टिकट भेजा था।

इसके मुताबिक, 20 नवंबर को मुश्ताक जब दिल्ली हवाई अड्डे आए तो एक कैब चालक उन्हें लेने पहुंचा जो उन्हें मेरठ- दिल्ली के बीच शिकंजी की प्रसिद्ध एक दुकान पर ले गया। पुलिस ने कहा कि खान को जबरन दूसरी गाड़ी में बैठाया गया, जिसमें और लोग भी उनके साथ बैठे। पुलिस ने बताया कि इसके बाद अभिनेता को धमकाया गया और बताया गया कि उनका अपहरण कर लिया गया है और उन्हें इस मामले में शामिल अपराधी लवी उर्फ राहुल सैनी के घर पर बंधक बनाकर रखा गया है।

अधिकारी ने बताया, बंधक बनाए जाने के दौरान अपहरणकर्ताओं ने मुश्ताक खान के बैंक खाते का विवरण और पासवर्ड ले लिया।

'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' के आगामी एपिसोड दर्शकों के लिए रोमांचक होंगे

मुंबई/एजेन्सी

स्टार प्लस के शो 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' के आगामी एपिसोड दर्शकों के लिए रोमांचक होंगे। स्टार प्लस के शो एडवोकेट अंजलि अवस्थी श्रितमा मित्रा मुख्य किरदार अंजलि अवस्थी का रोल निभा रही हैं, जो एक सख्त और निडर वकील है। वहीं, अंकित रायज़ादा अमन सिंह राजपूत के किरदार में नजर आएंगे। ब्लूज़ प्रोडक्शन्स द्वारा बनाए गए इस शो में कोर्टरूम ड्रामा और रिश्तों की उलझनें दिलचस्प तरीके से पेश की जाएंगी, जो दर्शकों को बांधे रखेंगी। शो एडवोकेट अंजलि अवस्थी की कहानी अंजलि की है, जो एक समझदार और जिद्दी वकील है। वो करप्शन से लड़ने और अपने परिवार की खोई हुई इज़्ज़त वापस लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अंजलि को अपने करियर और पर्सनल लाइफ में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, लेकिन वो कभी हार नहीं मानती। उसका पहला केस एक करप्ट वकील के खिलाफ है, जहां उसकी समझदारी और जज़्बा साफ नजर आता है। ये शो दिखाता है कि कैसे अंजलि सच्चाई को सामने लाने और अपना हक वापस पाने के लिए बड़े-बड़े ताकतवर लोगों से टकराती है।

इस वक्त एडवोकेट अंजलि अवस्थी के ट्रैक में जबरदस्त सस्पेंस देखने को मिल रहा है। अंजलि और अमन के बीच बढ़ता रिश्ता और उनकी जटिल कानूनी व निजी परेशानियों से निपटने की कोशिशें कहानी को और रोचक बना रही हैं। दोनों के इर्द-गिर्द खतरों का साया भी मंडरा रहा है। शो में आए कुछ चौंकाने वाले ट्विस्ट ने फैंस को अगले एपिसोड का बेसब्री से इंतजार करने पर मजबूर कर दिया है। एक तरफ अंजलि, युवराज के काले राज खोल रही है और पद्मा को इंसाफ दिलाने में लगी है, वहीं दूसरी तरफ एक नया और अनदेखा चैलेंज उनका इंतजार कर रहा है। नया प्रोमो कहानी में एक अप्रत्याशित मोड़ लेकर आया है। इसमें दिखाया गया है कि अंजलि अपनी बहन गिन्नी की कहने पर सिंदूर लगाती है, जिससे गिन्नी का पति अभय वापस आ जाए और साथ ही अभय को अंजलि से दूर रखा जा सके। प्रोमो में यह भी दिखाया गया है कि अंजलि और अभय के रास्ते एक-दूसरे से मिलते हैं, जिससे अंजलि की शादी के बारे में एक बड़ा खुलासा होता है। प्रोमो में गिन्नी अंजलि को अभय के आने की जानकारी देती है, जिसके बाद अंजलि सिंदूर लगाने का कदम उठाती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अंजलि की कहानी कैसे आगे बढ़ती है। अंजलि के जीवन में आए इस नए मोड़ से कहानी में और भी ज्यादा ड्रामा, सस्पेंस और चौंकाने वाली घटनाएँ देखने को मिलेंगी। अंजलि की ताकत और सूझ-बूझ का असली टेस्ट होगा। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, दर्शकों को और भी रोमांचक पल, इमोशनल टकराव और चौंकाने वाले खुलासे देखने को मिलेंगे, जो उन्हें पूरी तरह से जोड़े रखेंगे। 16 दिसंबर को रात 8:30 बजे स्टार प्लस पर एडवोकेट अंजलि अवस्थी का प्रसारण होगा।इस शो को ब्लूज़ प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है।

ओटीटी स्पेस में कदम रखना मेरे लिए रोमांचक सफर रहा : रिधिमा पंडित

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रिधिमा पंडित का कहना है कि ओटीटी स्पेस में कदम रखना उमके लिए रोमांचक सफ़र रहा है। रिधिमा पंडित ने प्रशंसित नीरज पांडे द्वारा निर्देशित सिकंदर का मुकद्दर के साथ अपना बहुप्रतीक्षित ओटीटी डेब्यू किया है। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जा रही इस फ़िल्म में जिमी शेरगिल, तमन्ना भाटिया, दिव्या दत्ता और अविनाश तिवारी जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं। रिधिमा ने एक नर्स की भूमिका निभाई है, एक ऐसा किरदार जो कहानी में भावनात्मक गहराई और ताकत लाता है, जिससे टेलीविज़न से डिजिटल स्पेस में उनका बदलाव वाकई उल्लेखनीय हो जाता है।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए रिधिमा ने कहा, ओटीटी स्पेस में कदम रखना मेरे लिए एक रोमांचक सफ़र रहा है। मैंने हमेशा खुद को ऐसी भूमिकाओं के साथ चुनौती देने में विश्वास किया है जो मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाती हैं, और सिकंदर का मुकद्दर ने मुझे वह सही मौका दिया। एक नर्स की भूमिका निभाना भावनात्मक रूप से संतुष्टिदायक और रचनात्मक रूप से पुरस्कृत करने वाला दोनों था। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म अनूठी और शक्तिशाली कहानी कहने की अनुमति देता है, और मैं इस निरंतर विकसित हो रहे माध्यम का हिस्सा बनकर रोमांचित हूँ। मैं नेटफ्लिक्स के माध्यम से वैश्विक दर्शकों से जुड़ने के लिए उत्साहित हूँ और ओटीटी की दुनिया में इस तरह की और भी विविध और प्रभावशाली भूमिकाएँ निभाने के लिए उत्सुक हूँ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 16-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

माहेश्वरी भवन में चल रही है श्रीमद भागवत कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के ओमनिकेतन से श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन सुबह कलश यात्रा का आयोजन किया गया। आयोजन वेणुगोपाल ने सिर पर भागवत की पोथी लेकर बैंड बाजे के साथ कथा स्थल पहुंचे। शोभायात्रा में महिलाएं सिर पर कलश लेकर तथा कथावाचक पवनकुमार मालोदिया श्रद्धालुओं के साथ चल रहे थे।कथा स्थल माहेश्वरी भवन में भागवदजी की आरती की गई।

इस मौके पर कथा वाचक पवनकुमार ने कहा कि साक्षात बाल कृष्ण लाल की वांग्मयी मूर्ति है श्रीमद् भागवत महापुराण। इसे अक्षर ब्रह्म भी कहते हैं जो जीवों की कल्याण की भावना रखते हुए मेरे गोविंद ने इस अवतार को ग्रहण किया यह साक्षात मेरे प्रभु का ग्रंथावतार है। व्यासजी ने कहा की ये जो संसार है इसको बनाने वाला ईश्वर है। इसकी स्थिति भी उसी से है और इसके विनाश का हेतु भी परमात्मा ही है अर्थात् संसार का आधार परमात्मा ही है उसी के कारण जगत की सत्ता है वह भगवान सच्चिदानंद स्वरूप है संसार के जो दुःख ताप है क्लेश कष्ट हैं उनका शमन करने वाला भी परमात्मा ही है ऐसे सच्चिदानंद स्वरुप भगवान श्री कृष्ण को हम सब नमस्कार करते हैं।

व्यास जी ने कहा जो प्रतिदिन पवित्र चित्त होकर भागवत के एक श्लोक का पाठ करता है वह मनुष्य अठारह पुराणों के पाठ का फल पाता है। भगवान कहते हैं कलयुग में जहां-जहां भागवत शास्त्र रहता है वहां-वहां सदा ही मैं देवताओं के साथ उपस्थित रहता हूं। जैसे पुत्र वत्सल गौ अपने बछड़े के साथ रहती है। मन की शुद्धि के लिए इससे बढ़कर कोई साधन नहीं जब मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के पुण्य उदय होते हैं तभी उसे इस भागवत शास्त्र की प्राप्ति होती है। भागवत मनुष्य को मृत्यु से निर्भय बनाता है इसके पठन, श्रवण,मनन करने वाले व्यक्ति को काल रूपी सर्प का भय नहीं रहता। मानव के इस मृत्यु भय के मनोविज्ञान को हमारे ऋषि मुनियों ने भली भांति समझा और इसीलिए इस महा भय के निवारण हेतु शस्त्रों की रचना की है इनमें से भागवत शास्त्र एक अनुपम अद्वितीय शास्त्र है जो जीवन के रहस्य को समझा कर मृत्यु को मंगलमय बनाता है। भागवत की कथाओं को हृदयांग और उनका मंथन करने से जीवन का सत्य उद्घाटित करता है। जितनी सरलता से सहजता से भागवत जीवन के उद्देशो को समझाता है वैसी शैली अन्यत्र नहीं मिलती भागवत मनुष्य के लिए एक श्रेष्ठ जीवन मार्गदर्शक है एक अनुपम जीवन उपयोगी महान ग्रंथ है भागवत। आगे की कथा में व्यास जी ने गोकर्ण उपाख्यान सुनाया और कहा कि संसार में आकर मनुष्य को भगवद् भजन करते हुए सत्कर्म करने चाहिए और कर्तव्य कर्म के फल स्वरुप जो मिलता जाए उसी को प्रभु का प्रसाद समझ कर ग्रहण करते रहना चाहिए।

पूर्णिमा यज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलानाडु के वेल्लोर स्थित श्रीपुरम् में श्री शक्तिअम्मा के सान्निध्य में पूर्णिमा यज्ञ शनिवार को सम्पन्न हुआ। श्रीपुरम् स्थित नारायणी पीडम की यज्ञशाला में पूरे विश्व में शांति और समृद्धि की कामना के साथ दिव्य पूर्णिमा पर यज्ञ किया गया। यज्ञ के उपरांत श्री शक्तिअम्मा ने सभी को आशीर्वाद दिया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रविवार को तिरपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल तत्वावधान में 1391 संगीतमय सुन्दरकांड पाठ का आयोजन अंगेरिपालियम में गोपाल प्रदीप महर्षि के प्रतिष्ठान एसकेएम क्लोथिंग में हुआ। मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, एवं सत्संग प्रेमी मूलचंद, सुभाष गुप्ता, महावीर , मनोज व्यास, मदन, हिरालाल, राजकुमार, वेदिक व्यास, लखन सैन, संदीप , हरीश, सुनील, गोपाल शाह, विष्णु बोहरा, कार्तिक, राजेंद्र, अरविंद, उमाशंकर आदि उपस्थित थे।

बापू का नमक सत्याग्रह और आज का महंगा राशन-पानी

– डॉ. दिलीप धींग

'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के 13 दिसंबर 2024 के अंक में मुखपृष्ठ पर महात्मा गांधी की माला की नीलामी की खबर छपी। यह माला भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में 1930 में बापू के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक नमक सत्याग्रह (दांडी यात्रा) से जुड़ी है। दांडी यात्रा के दौरान एक चिकित्सक परिवार की ओर से यह माला उन्हें भेंट की गई थी। वस्तुतः यहाँ चर्चा माला की नहीं, अपितु माला की ख्याति का कारण बनी दांडी यात्रा से जुड़े नमक पर विचार किया जा रहा है। और, नमक के बहाने महंगे होते राशन की ओर ध्यान आकर्षित किया जा रहा है।

भारत में नमक के उत्पादन और वितरण लंबे समय तक अंग्रेजों का एकाधिकार रहा था। उन्होंने कई कानूनों के ज़रिए भारतीय लोगों को स्वतंत्र रूप से नमक बनाने या बेचने से प्रतिबंधित कर दिया गया था, और इसके बजाय भारतीयों को महंगा, भारी कर वाला नमक खरीदना पड़ता था। इसका खास असर गरीब भारतीयों पर पड़ा। वे इसे खरीदने में असमर्थ थे। नमक पर टैक्स के खिलाफ़ यह अहिंसक प्रतिरोध पूरी दुनिया में चर्चा और प्रेरणा का विषय बना था। ब्रिटिश शासन की पूरी अवधि में यह एक प्रमुख मुद्दा बना रहा। गांधीजी ने कहा था कि वे नमक पर टैक्स को गरीब आदमी के दृष्टिकोण से सबसे अधिक अन्यायपूर्ण मानते हैं। अतः नमक पर एकाधिकार खत्म होना चाहिये।

परंतु इतिहास से प्रेरणा कौन लेता है? वर्तमान में नमक पर एकाधिकार तो नहीं है, किंतु शायद बाजार प्रणाली ऐसी है कि नमक बहुत महंगा है। टाटा के एक किलो नमक की खुदरा कीमत 30 रुपये हैं। माना टाटा एक नेक इंसान थे। परोपकारी थे। काश! इतने बड़े उद्योगपति टाटा कम से कम लूण (नमक) का व्यापार तो नहीं करते। उनके पास तो बड़ी-बड़ी चीजों के खूब उद्योग-धंधे थे। यह रोजमर्रा की आवश्यक चीज तो लघु और मँझले उद्यमियों के लिए छोड़ देते। उन्हें भी कमाई करने देते। आज आम भारतीय के लिए यह अत्यावश्यक राशन बहुत महंगा है।

क्या टाटा द्वारा नमक बेचने से भारत के लघु नमक उद्यमियों पर मार नहीं पड़ी? महात्मा गांधी ने तो नमक के लिए ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती दी थी। अब, हमारे अपने (जनता के) शासन में कौन किसे चुनौती दें? किसी भी बड़े उद्योगपति को ग्रामीण विकास पर दान करने की बजाय अपना व्यावसायिक विस्तार इस प्रकार करना चाहिये कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था आहत नहीं हो।

विकेन्द्रित अर्थव्यवस्था के अनुसार विचार करें तो विशेषज्ञ और अनुभवी उद्योगपतियों को ऐसी चीजों का व्यापार नहीं करना चाहिये, जिससे लघु, कुटीर व ग्राम्य जीवन के काम-धंधों, छोटे और मँझले दुकानदारों एवं जनसाधारण पर विपरीत असर हो। ऐसा विवेक रखना भी परोपकार ही है। शायद यह किसी दान से भी बड़ी बात हो सकती है। मौजूदा बाजार व्यवस्था में यहाँ व्यापार की वैधानिकता का सवाल नहीं उठाया है। सवाल है, उसके मानवीय पक्ष का, जिसका ध्यान समर्थ उद्योगपति, बड़े उद्यमी रखें तो अच्छा है। वस्तु या उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने का यदि उनके पास कोई फॉर्मूला भी है, जिससे छोटे व्यापारियों और जनसाधारण को फायदा हो तो ऐसा फॉर्मूला सर्वसुलभ करना बहुत बड़ी बात हो सकती है। वस्तुतः बात सिर्फ नमक की नहीं है, मौजूदा समय में आम आदमी की दृष्टि से राशन-पानी के दाम बहुत ज्यादा हैं। रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की क्रय-शक्ति के अनुसार होनी चाहिये। ऐसी व्यवस्था बनाने में सरकार, समाज और उद्योगपति, सबका सहयोग होना चाहिये।

चामराजपेट में धार्मिक शिविर 26 तक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां चामराजपेट के श्री सुधर्म जैन पौषधशाला भवन में 15 दिसम्बर से 12 दिवसीय धार्मिक शिविर सुश्रावक टीकम सर आदि श्रावक एवं श्राविकाओं के नेश्राय में हुआ। 26 दिसम्बर तक चलने वाले इस शिविर में धर्म लाभ लेकर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। सुबह धार्मिक क्लॉस, प्रवचन, आगम वाचन, थोकदे क्लास आदि रखी गई है। पूरे दिन धर्मआराधना करने वालों के लिए भोजन की व्यवस्था संघ द्वारा रखी गई है। प्रतिक्रमण के पश्चात धर्म चर्चा और संवर की व्यवस्था सभी श्रावक एवं श्राविकाओं के लिए रहेगी।

सभी दलों की सहमति से संविधान में संशोधन किया जाएगा : नेपाल के गृह मंत्री

काठमांडू/भाषा। नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने रविवार को कहा कि संविधान में संशोधन के लिए सभी राजनीतिक दलों की आम सहमति सुनिश्चित की जाएगी। 'हिमालयन टाइम्स' अखबार की खबर के अनुसार, मंत्री ने एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य को मजबूत करने के लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर प्रारंभिक बातचीत शुरू हो गई है। लेकिन संविधान संशोधन का फैसला दो राजनीतिक दलों द्वारा नहीं किया जाएगा।

सीरवी समाज सांडिया प्रवासियों का प्रथम स्नेह मिलन हुआ

बेंगलूरु। सीरवी समाज सांडिया कर्नाटक प्रवासी बंधुओं ने प्रथम वार्षिक स्नेह मिलन समारोह जोगरहल्ली स्थित आईजी धाम में धूमधाम से मनाया। अध्यक्ष जगदीश लचेटा की अध्यक्षता में समाज के विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श हुए। सचिव गोरधन लाल बर्फा ने बाल बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान कराना तथा धर्म के साथ-साथ सभी बंधुओ को समाज से जुड़कर रहने का आह्वान किया समाज में फैली कुरीतियां तथा नशे को संपूर्ण रूप से बंद करने पर जोर दिया। इस आयोजन में बच्चे महिलाएं ने खेलकूद के साथ पारंपरिक नाच गाने गाकर खूब लुफ्त उठाया। इस बीच पधारे हुए मेहमानों तथा महासभा के अध्यक्ष शबाबूलाल परिहार, कोषाध्यक्ष पोकरराम राठौड़ का साफा तथा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर कार्यकारिणी के सदस्य जोराराम सिंदड़ा ताराराम सेपटा भरत बर्फा पारस सिंदड़ा ढगलाराम सिंदड़ा मदनलाल सिंदड़ा रमेश परिहारिया तथा समाज के सभी गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। मंच संचालन सचिव गोरधनलाल बर्फा ने किया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके की तीन दिवसीय भारत यात्रा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके सितंबर में शीर्ष पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर रविवार को तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को श्रीलंकाई नेता के साथ व्यापक वार्ता करेंगे, जिसमें व्यापार, निवेश, ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किये जाने की उम्मीद है। भारतीय पक्ष द्वारा श्रीलंकाई नेता को यह भी बताया जाएगा कि नयी दिल्ली को कोलंबो से द्वीपीय राष्ट्र में तमिल समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करने की अपेक्षा है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने दिसानायके का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिसानायके की यात्रा भारत-श्रीलंका संबंधों को और गहरा करने तथा जन-केंद्रित साझेदारी को गति देने का एक अवसर होगी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री द्वारा दिसानायके का स्वागत करने की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, गर्मजोशी भरा और विशेष स्वागत! श्रीलंकाई नेता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे।

दिसानायके का भारत और श्रीलंका के बीच निवेश और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली में एक व्यापारिक कार्यक्रम में भाग लेने का भी कार्यक्रम है। उनका बोधगया जाने का भी कार्यक्रम है।

विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के तेरापंथ भवन से विहार करके आचार्यश्री महाश्रमण के शिष्य मुनिश्री रश्मिकुमारजी, मुनिश्री प्रियांशुकुमारजी ने विहार करते हुए आनंद सेठिया के निवास होते हुए वेलिनगिरी पर्वत केदक्षिण कोंगु तिरुपति मंदिर पहुंचे। इस मौके पर तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमचन्द सुराणा, पत्रकार किशोर जैन, मैसूरु के विशाल जैन, आशीष सेठिया आदि उपस्थित थे।

टीपीएफ के सदस्यों ने ट्रेकिंग में भाग लिया

बेंगलूरु। यहां टीपीएफ बेंगलूरु पश्चिम द्वारा 'ट्रेक इट इजी' में 70 से अधिक सदस्य परिवार ने शिवगंगे हिल्स पर भाग लिया। सदस्यों ने ट्रेकिंग बेस से सुबह यात्रा शुरु की। 1368 मीटर की ऊंचाई पर स्थित उच्चतम बिंदु पर 8 वर्ष के बच्चे से लेकर 70 वर्ष के वरिष्ठ नागरिक ने पूरे जोश से भाग लिया। टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत की माता सुशीला मांडोत ने नंगे पांव पूरी ऊर्जाके साथ वहां पहुंचकर सभी को 'फिट और ऊर्जावान' रहने की प्रेरणा दी। □

मोदी को कभी 'चायवाला' नहीं कहा : मणिशंकर अय्यर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि उन्होंने नरेन्द्र मोदी को कभी 'चायवाला' नहीं कहा और भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) नेता के प्रधानमंत्री पद के लिए अनुपयुक्त होने संबंधी उनकी धारणा का चाय बेचने के उनके अतीत से कोई लेना-देना नहीं था।

अय्यर ने 2014 के आम चुनावों से पहले अपनी टिप्पणियों से उपजे विवाद का जिक्र अपनी पुस्तक 'ए मैवरिक इन पॉलिटिक्स' में किया है, जिसे 'जगरनॉट' द्वारा प्रकाशित किया गया है।

अय्यर (83) ने पुस्तक में कहा है कि 2014 में भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार मोदी को आगामी आम चुनावों में स्पष्ट विजेता के रूप में प्रचारित किया जा रहा था। उन्होंने पुस्तक में लिखा, मैं इस बात से बहुत भयभीत था कि जिस व्यक्ति की छवि गुजरात में 2002 में मुसलमानों के नरसंहार के कारण दागदार है, वह महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के भारत का नेतृत्व करने की आकांक्षा रख सकता है। अय्यर ने कहा कि इसलिए, जनवरी 2014 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के पूर्ण अधिवेशन के दौरान एक साक्षात्कार में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अपमानजनक है कि एक ऐसा व्यक्ति जो यह नहीं जानता कि सिकंदर कभी पाटलिपुत्र नहीं आया था या तक्षशिला पाकिस्तान में था, वह उस पद पर आसीन होने की कोशिश कर रहा है, जिस पर कभी जवाहरलाल नेहरू आसीन थे।

अय्यर ने कहा, मैंने कहा था कि 'भारत के लोग यह कभी स्वीकार नहीं करेंगे। फिर मैंने मजाक में कहा था कि अगर चुनाव हारने के बाद भी मोदी चाय परोसना चाहते हैं, तो हम उनके लिए कुछ व्यवस्था कर सकते हैं।

अय्यर ने अपनी पुस्तक में लिखा, तब से लेकर अब तक यह कहा जा रहा है कि मैंने कहा था कि मोदी इसलिए प्रधानमंत्री नहीं बन सकते क्योंकि वह 'चायवाले' थे। मैंने कभी मोदी को 'चायवाला' नहीं कहा और न ही कभी यह कहा कि चायवाला होने की वजह से वह कभी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे। उन्होंने लिखा कि वास्तव में अपने आपको 'चायवाला' कहने वाले खुद मोदी थे।

कांग्रेस नेता ने कहा, मेरे बयान का वीडियो यूट्यूब पर अब भी उपलब्ध है, जिसे कोई भी देख सकता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.